● वर्ष-3
● अंक-119
रायपुर, बुधवार
27 दिसंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› इन पांच लोगों के पास कभी...

लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या एक बार फिर से एक राजनीतिक मुद्दा बन गया

राम मंदिर को लेकर धर्मसंकट में विपक्ष

नई दिल्ली। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। चार महीने से भी कम समय में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या एक बार फिर से एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। 22 जनवरी के कार्यक्रम के लिए निमंत्रण धार्मिक नेताओं और अभिनेताओं को भेजा गया है, लेकिन विपक्षी नेताओं को भेजे गए निमंत्रण सुर्खियां बटोर रहे हैं। राम मंदिर को लेकर बीजेपी की अटैकिंग मोड वाली स्ट्रैटर्जी ने विपक्ष को बुरी तरह फंसा दिया है। वामपंथी दलों को छोड़कर बाकी दूसरी पार्टियां समम नहीं पा रही हैं कि कौन सा कदम उठाना उचित होगा।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। वाम दल ने कहा कि उसका मानना है कि धर्म एक व्यक्तिगत मामला है। माकपा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी नीति धार्मिक मान्यताओं और प्रत्येक व्यक्ति के अपनी आस्था को आगे बढ़ाने के अधिकार का सम्मान करना है। धर्म एक व्यक्तिगत पसंद का मामला है, जिसे राजनीतिक लाभ के साधन में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए। निमंत्रण मिलने के बावजूद कॉमरेड सीताराम येचुरी समारोह में शामिल नहीं होंगे।

इंडिया गठबंधन के सामने क्या विकल्प

इंडिया गठबंधन समारोह में शामिल होने के लिए एक साथ जा सकते हैं। इसके अलावा समारोह में कोई भी शामिल नहीं होने जा सकता है। इससे इतर सभी पार्टी को स्वतंत्र छोड़ दिया जाए। जो भी जाना चाहे वो जाए और जो दूरी बनाना चाहे वोनहीं जाए। इसके अलावा इस मुद्दे से विपक्षी पार्टी दूरी भी बना सकती है, जिससे बीजेपी को पलटवार का कोई मौका नहीं मिला।

हालाँकि, अयोध्या में राम मंदिर के निमंत्रण को लेकर सियासी बयानबाजी और अटकलों का दौर विपक्षी नेताओं तक ही सीमित नहीं रहा। ने राम जन्मभूमि आंदोलन का नेतृत्व करने वाले भाजपा के दो दिग्गजों लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को नजरअंदाज किए जाने की बात भी मीडिया में चर्चा के केंद्र में रही। इस स्पष्ट अनदेखी से विवाद खड़ा हो गया और कई लोगों ने भाजपा पर पुराने लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया। कुछ ही समय बाद विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि वास्तव में पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जोशी को निमंत्रण भेजा गया था। लेकिन वे इसमें शामिल होंगे या नहीं यह अभी भी स्पष्ट नहीं है।

कांग्रेस ने नहीं किया साफ

लोकसभा नेता अधीर रंजन चौधरी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी आमंत्रित किया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी को निमंत्रण मिला या नहीं। हालांकि कांग्रेस की तरफ से अभी तक इस तरह का कोई बयान नहीं आया है कि वो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे या नहीं। भाजपा के विरोधी दलों को निमंत्रण स्वीकार करने और ऐसा करने से विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय से अल्पसंख्यक वोटों को संभावित रूप से प्रभावित करने में असर पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश से 80 लोकसभा सांसद आते हैं जहां 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

जिन्हें भगवान राम ने बुलाया है वे ही पहुंचेंगे

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, ...सभी को निमंत्रण भेज दिया गया है। जिन्हें भगवान राम ने बुलाया है वे ही पहुंचेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा उन लोगों को करारा जवाब है जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को यह कहकर ताना मारते थे कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तारीख नहीं बताएंगे।' यहां 'अटल संस्कृति गौरव अवॉर्ड्स' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर का निर्माण कर और जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करके पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना साकार किया है।

कोरोना: अलग अलग राज्यों ने नए वेरिएंट जेएन.1 को लेकर सख्ती दिखानी शुरू की

नई दिल्ली। देश और दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफा होने लगा है। देश के अलग अलग राज्यों में भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। बिहार, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, समेत कई राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इसी के साथ मंगलवार को देश भर में एक्टिव मामलों की संख्या 4100 से अधिक हो गई है। लगातार तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्यों ने भी अलग अलग गाइडलाइंस जारी कर दी है। बिहार सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से सख्ती को बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग ने फैसला किया है कि बुखार, खांसी और सांस संबंधित मरीजों की कोविड जांच अनिवार्य तौर पर करवाई जाएगी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर जीनोम सीक्वेंसिंग भी करवाई जाएगी। कोरोना के नए मामले बढ़ने के बाद नई गाइलाइन जारी की गई है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कोरोना के चार मामले सामने आ चुके है। नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने दिशानिर्देश जारी किए है, जिसके अनुसार लोगों को बाहर निकलने के दौरान मास्क लगाने की सलाह दी गई है। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना और लोगों से हाथ ना मिलाने की अपील की गई है, ताकि कोरोना के मामलों पर बढ़ने से रोका जा सके।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद मामलों की जीनोम सिक्वेंसिंग किए जाने के निर्देश दिए गए है। सभी संक्रमित मामलों को लैब में भेजा जाएगा। दिल्ली में वर्तमान में जिनोम सिक्वेंसिंग की दर एक प्रतिशत से भी कम है। देश में कोविड-19 के नये स्वरूप जेएन.1 का पता चलने के बाद हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना वायरस से जुड़े लक्षण वाले रोगियों की जांच और अन्य आवश्यक कदम उठाने के संबंध में राज्य के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के लिए परामर्श जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भारत में कोविड-19 के नये स्वरूप (वेरियंट) जेएन.1 के 69 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऊना के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि जुकाम, बुखार या खांसी के लक्षणों वाले लोगों को कोविड-19 की जांच कराने की सलाह दी गई है। उन्होंने लोगों से मास्क पहनने का भी अनुरोध किया।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नाम हुआ एक और बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने दुनिया के पहले राजनेता

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के यूट्यूब चैनल ने मंगलवार को 20 मिलियन सब्सक्रिप्शन को पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिससे यह शीर्ष वैश्विक नेताओं के बीच सबसे अधिक सब्सक्राइब्ड चैनल बन गया। मोदी अपने वैश्विक और भारतीय समकक्षों से काफी आगे निकल रहे हैं। दूसरे क्रम के नेता ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सनोरा हैं, जिनकी ग्राहक संख्या मामूली 6.4 मिलियन है, जो कि मोदी का एक अंश मात्र है। दुनिया भर के नेताओं में तीसरा सबसे ज्यादा सब्सक्राइब किया जाने वाला चैनल यूक्रेन के राष्ट्रपति 1.1 मिलियन से काफी पीछे हैं। जबकि सूची में चौथे स्थान पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन के यूट्यूब चैनल पर ग्राहकों की संख्या केवल 794,000 है। इसके अलावा, जब व्यूज की बात आती है, तो दिसंबर 2023 में प्रभावशाली 2.24 बिलियन व्यूज दर्ज करते हुए मोदी का चैनल हावी रहता है। यह आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से ज़ेलेंस्की की तुलना में 43 गुना अधिक है, जो वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे ज्यादा व्यूज रखते हैं। यूट्यूब पर मोदी की सफलता उनकी डिजिटल क्षमता और व्यापक वैश्विक अपील को दर्शाती है। मोदी का चैनल, अपने 4.5 बिलियन (450 करोड़) वीडियो व्यूज के साथ, प्रतिस्पर्धा से आगे निकल गया है।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय वीर बाल दिवस पर रायपुर के तेलीबांधा गुरूद्वारा (गुरूद्वारा धन-धन बाबा बुड्ढा साहिब जी) में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने गुरूद्वारा में मत्था टेककर गुरूग्रंथ साहिब की परिक्रमा की। उन्होंने गुरू गोविंद सिंह जी के परिवार के बलिदान और उनके सुपुत्रों की शहादत को याद कर उन्हें नमन किया। श्री साय गुरूद्वारा में कीर्तन और अरदास में भी शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम, सांसद श्री सुनील सोनी, विधायकगण सर्वश्री पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू और संपत अग्रवाल भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

35 साल में लोकसभा में कई गुना मजबूत हुई बीजेपी, 2 सीट से हुई थी सफर की शुरुआत

नई दिल्ली। राजनीतिक गलियारों में बीजेपी की स्थापना युगांतकारी घटना मानी जाती है. यूं तो इसकी स्थापना 1980 में हुई थी लेकिन इसकी बुनियाद स्वतंत्रता सेनानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में ही भारतीय जनसंघ बनाकर कर दी थी. जनसंघ की तरह बीजेपी की शुरुआत काफी कठिनाइयों वाला रहा. 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में जो आम चुनाव हुए थे उसमें बीजेपी को महज दो सीटें मिली थी. बीजेपी की स्थापना के बाद अटल बिहारी वाजपेयी इसके पहले अध्यक्ष बने थे. इसके बाद 1986 में अध्यक्ष पद की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथ में आयी. आडवाणी ने अयोध्या में राम मंदिर का मुद्दा पूरे देश में जोर-शोर से उठाया. साथ ही इसके निर्माण की मांग को लेकर राम जन्मभूमि आंदोलन छेड़ दिया. रथ यात्राएं निकाली गई. बीजेपी ने भगवान राम को सबसे बड़ी चुनावी मुद्दा बना दिया. यहीं मुद्दा बीजेपी के लिए बाद में वरदान साबित हुई. 1989 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 86 सीटों पर जीत दर्ज की. 1991 के चुनाव में बीजेपी देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी.

प्रमुख समाचार

ममता बनर्जी को उनके ही गढ़ में घेरने की तैयारी में भाजपा अमित शाह-नड्डा ने बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली. मंगलवार को भाजपा के पश्चिम बंगाल डिवीजन ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए 15 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति की स्थापना की। प्रमुख सदस्यों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित राज्य के कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। समिति ने आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए मंगलवार को कोलकाता में एक बैठक की। अमित शाह और जेपी नड्डा मंगलवार को कोलकाता पहुंचे जहां हवाई अड्डे पर पार्टी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। समिति के मुख्य सदस्य हैं- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, राज्य पार्टी प्रमुख सुकांत मजूमदार, सांसद दिलीप घोष, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, अमिताभ चक्रवर्ती, सतीश ढांड, मंगल पांडे और आशा लोकरा। समिति में पांच महासचिव भी हैं।

रेलवे स्टेशनों पर सेल्फी बूथ, करदाताओं के पैसे की बर्बादी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर पीएम मोदी की तस्वीरों के साथ सेल्फी बूथ स्थापित करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह करदाताओं के पैसे की खुलेआम बर्बादी है। मुंबई स्थित एक कार्यकर्ता के अनुरोध के जवाब में, मध्य रेलवे ने उन स्टेशनों को सूचीबद्ध किया जहां क्रमशः ?1.25 लाख और ?6.25 लाख की अनुमोदित लागत पर अस्थायी और स्थायी सेल्फी बूथ स्थापित किए गए थे। इसी को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि मोदी सरकार द्वारा आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं! उन्होंने आगे लिखा कि रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करके करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी। उन्होंने कहा कि इससे पहले, सशस्त्र बलों को मोदी जी के प्रमुख कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी-प्वाइंट स्थापित करने का आदेश देकर हमारे बहादुर सैनिकों के खून और बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया था। मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत नहीं दी है।

आरबीआई को मिली बम से उड़ाने की धमकी, वित्त मंत्री और शक्तिकांत के इस्तीफे की मांग

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक को एक धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल में आरबीआई दफ्तर, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में बम रखे जाने की बात कही गई है और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की गई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि मुंबई में कुल 11 जगहों पर बम की धमकी दी गई, पुलिस ने इन सभी जगहों पर जाकर जांच की लेकिन कुछ नहीं मिला। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। मेल में कहा गया है कि मुंबई में आरबीआई कार्यालयों, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सहित 11 स्थानों पर बम रखे गए हैं और विस्फोट दोपहर 1ः30 बजे होगा। इसमें कहा गया है कि हम मांग करते हैं कि आरबीआई गवर्नर और वित्त मंत्री दोनों तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें।

मोदी के दोस्त नेतन्याहू के सामने डबल ट्रबल, यूएस का सबसे बड़ा दुश्मन जंग में कूदा

नई दिल्ली। 7 अक्टूबर के बाद से गाजा में जिसने हाथ डाला है, उसने अपना हाथ जलाया है। इजरायल को जिसने भी अब तक रोकने की कोशिश की उसे नेतन्याहू ने सिर्फ एक जवाब दिया कि जब तक हमास को खत्म नहीं करेंगे तब तक युद्ध जारी रहेगा। बंधकों को छुड़ाने के लिए सीज फायर तो कर दिया गया। गाजा और वेस्ट बैंक से बंधकों और कैदियों को छुड़ाने की तस्वीरें भी आई। जश्न भी खूब मनाया गया लेकिन आगे क्या होगा? अब तक इजरायल को डराने में ईरान फेल हो चुका है। हमास लेकर हिज्बुल्ला और यमन के हूती भी नाकाम रहे हैं। सऊदी अरब और बाकी अरब देशों की जुबान पर भी ताला लगा है। इजरायल के खिलाफ पुतिन भी खुलकर सामने नहीं आए। इजरायल अमेरिका के बस में पूरी तरह से नहीं है। इसका एक जवाब आया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टेंशन दोगुनी होने जा रही है। अब अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन इस महायुद्ध में कूद गया है।

नए साल में इसरो का नया मिशन, ब्लैक होल, न्यूट्रॉन सितारों का करेगा अध्ययन

हरिकोटा। भारत 1 जनवरी, 2024 को देश के पहले एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट को ले जाने वाले पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के जोरदार प्रक्षेपण के साथ 2024 में प्रवेश करने के लिए तैयार है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने घोषणा की है कि एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट मिशन ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान का उपयोग करके सुबह 9ः10 बजे उड़ान भरेगा, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। XPoSat मिशन को गहन एक्स-रे स्रोतों के ध्रुवीकरण की जांच करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, एक वैज्ञानिक प्रयास जो भारत को अंतरिक्ष-आधारित पोलारिमेट्री में सबसे आगे रखेगा। यह मिशन न केवल भारत का पहला समर्पित पोलारिमेट्री मिशन है, बल्कि 2021 में लॉन्च किए गए नासा के इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर के बाद दुनिया का दूसरा भी है। XPoSat का लक्ष्य ब्रह्मांड में 50 सबसे चमकीले ज्ञात स्रोतों का अध्ययन करना है, जिसमें पल्सर, ब्लैक होल एक्स-रे बायनेरिज़, सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक, न्यूट्रॉन सितारे और गैर-थर्मल सुपरनोवा अवशेष शामिल हैं। उपग्रह को 500-700 किमी की गोलाकार निचली पृथ्वी कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

विपक्षी गठबंधन को नेता नहीं, नारे की जरूरत

प्रभु चावला

इंडिया और भारत के बीच खाई केवल सांस्कृतिक और सामाजिक नहीं है। आज संघर्षण के अलंकृत समय में वर्ग, जाति, समुदाय और चेतना की खाई को यह इंगित करता है। इस खाई ने 'इंडिया' गठबंधन के भीतर की दरारों को गहरा बना दिया है। बीते हफ्ते विभाजित होकर भी वे साथ दिखे। प्रधानमंत्री की कुर्सी की आकांक्षा उनके बीच की गांठ है, जिसे लेकर अभिजन राहुल गांधी और शेष विपक्ष में ठनी हुई है। विपक्षी नेताओं की यह चौथी बैठक थी। उनका उद्देश्य 2024 में भाजपा को हरा कर नरेंद्र मोदी को गद्दी से उतारना है। लेकिन अपराजेय मोदी के समक्ष खड़ा करने के लिए किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन सकी। ये नेता फिर मिलेंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को छोड़कर बाकी सभी भाषण देने के लिए आये थे। भाषणों से साफ था कि वे सब हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की भारी हार से संतप्त थे। कांग्रेस की हार उसके सहयोगियों के लिए वरदान बन कर आयी है। अब कांग्रेस कनिष्ठ दलों को भी सुनने के लिए तैयार है और भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपना अस्तित्व बचाने के लिए त्याग करने के लिए भी मानसिक रूप से तैयार है। चुनाव अभियान शुरू होने में अब दो माह से भी कम समय बचा है, पर मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा के विरुद्ध विपक्ष ठोस व भरोसेमंद आख्यान नहीं तय कर पाया है। इस स्वभावगत भ्रम से कुछ सवाल उठ रहे हैं।

क्या इंडिया गठबंधन एनडीए से मजबूत है? हां, संख्या और भूगोल दोनों हिसाब से। लेकिन कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले इसके दो दर्जन दलों में अधिकतर जाति और परिवार द्वारा संचालित संगठन हैं। भाजपा ने किसी बड़े दल को सहयोगी नहीं बनाया है, केवल उत्तर प्रदेश और बिहार के छोटे दलों को साथ लिया है। इंडिया समूह में कांग्रेस के अलावा बाकी दल मिलकर 125 से अधिक सीटें नहीं जीत सकते। केवल तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, शिव सेना (उद्धव ठाकरे), एनसीपी (शरद पवार) और समाजवादी पार्टी ही दो अंकों में पहुंच सकते हैं। गठबंधन कोई एक समान विचारधारा पर भी आधारित नहीं है। यह ऐसे लोगों से बना है, जिनके लिए सत्ता और प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। मसलन, मार्क्सवाद और द्रविड़ शासन कला में कुछ भी समान नहीं है। लेकिन वे

तमिलनाडु में साझेदारी करेंगे। कर्नाटक में साथ आये भाजपा और जेडी(एस) के बीच भी पहचान की समानता नहीं है। तमिलनाडु में कांग्रेस और द्रमुक केवल अन्ना द्रमुक और भाजपा की सरकार रोकने के लिए साथ हैं। द्रमुक ने 'सनातन धर्म' का त्याग कर कांग्रेस को साथ लिया है। क्या गठबंधन बहुमत पा सकता है? यह बहुत कठिन है, पर असंभव नहीं। कांग्रेस को कम से कम 140 सीटें पाना होगा। इसके लिए उसे उत्तर भारत, असम और कर्नाटक में भाजपा को पस्त करना होगा। रणनीति यह है कि लगभग 450 सीटों पर भाजपा से सीधी लड़ाई हो। कांग्रेस को उत्तर में कुछ सीटें सहयोगियों को देनी होगी ताकि उसे दूसरे राज्यों में अतिरिक्त सीटें मिल सकें। हालिया बैठक में राहुल ने जाति और व्यक्ति केंद्रित बहुत छोटी पार्टियों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने राजस्थान और मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय दलों को साथ नहीं लेने के लिए वरिष्ठ नेताओं की आलोचना की। यह और बात है कि उनकी कथनी और करनी में फर्क रहा था। गांधी परिवार का कोई सदस्य क्षेत्रीय और छोटे दलों से बातचीत में शामिल नहीं हुआ। यह काम खरगे को दिया गया, जिनके पास अंतिम निर्णय का अधिकार नहीं है। गठबंधन में सीट बंटवारे पर समिति बनाने में पार्टी को चार माह का समय लगा। कांग्रेस को यह असलियत स्वीकार करनी चाहिए कि उत्तर प्रदेश और बिहार में उसका वजूद नहीं है, इसलिए वह अतिरिक्त सीट नहीं मांग सकती है। उसकी मुख्य चुनौती भाजपा के हाथों हारे 180 में से कम से कम 75 क्षेत्रों को फिर से जीतना है। गठबंधन की सरकार तभी बन सकती है, जब कांग्रेस लगभग 140 सीटें जीते और भाजपा 225-240 तक सीमित रह जाये। कांग्रेस की आशा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से है। क्या विपक्ष को नेता की जरूरत है? हां, पर एक नेता नहीं हो सकता क्योंकि गठबंधन में अनेक नेता हैं, जो अपने को प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में देखते हैं। गठबंधन को एक प्रभावी नारे की दरकार है, जो सुर्खियों में आये और असरदार हो। उन्हें 'मोदी की गारंटी कारवां' की काट निकालनी होगी, जो इस संदेश के साथ देश भ्रमण पर है कि राष्ट्रीय विकास के लिए एकमात्र गारंटी मोदी हैं। तथ्य बताते हैं कि चुनाव किसी नेता के विरुद्ध नैरेटिव बनाकर नहीं जीते जाते। मसलन, जब विपक्ष ने 'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ' का नारा लगाया, तो इंदिरा गांधी को अधिक सीटें मिलीं। इस पर सभी सहमत हैं कि मोदी के विरुद्ध नकारात्मक अभियान से इंडिया गठबंधन को फायदा नहीं होगा। आपातकाल की ज्यादतियों के चलते इंदिरा की हार हुई, पर दक्षिण उनके साथ बना रहा। उन्होंने ठोस नारे के साथ सत्ता में वापसी की- 'ऐसी सरकार चुनें, जो काम करे।' साल 2004 में वाजपेयी अपराजेय माने जा रहे थे। भाजपा 'इंडिया शाइनिंग' के नारे के साथ समय से पहले चुनाव में गयी, लेकिन उसे 180 से कम सीटें मिलीं। सोनिया गांधी ने एक ठोस गठबंधन के साथ बाजी मार ली। वाजपेयी के विरुद्ध न कोई लहर थी और न ही उनसे कोई बेहतर विकल्प था। साल 2009 का चुनाव मनमोहन सिंह के नाम पर नहीं, यूपीए के काम पर लड़ा गया। भाजपा ने 80 साल के आडवाणी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में पेश किया, पर शुरू से ही वे बेअसर रहे।

मुख्यमंत्री साय खुद आदिवासी, जरूर समझेंगे जल, जंगल, जमीन का अस्तित्व : सिंहदेव

सरगुजा। हसदेव जंगल में कोल खनन के लिए पेड़ों की कटाई के विरोध में बैठे ग्रामीणों के समर्थन में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव नजर आए। सिंहदेव प्रदर्शनस्थल पहुंचे और ग्रामीणों से बात कर उन्हें हर हाल में संगठित रहने की सलाह दी। सिंहदेव ने सीएम विष्णुदेव साय पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के नए सीएम खुद आदिवासी है। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि आदिवासियों के लिए जंगल, पेड़, प्रकृति का कितना महत्व हैं। सिंहदेव ने जिला प्रशासन पर भी हमला बोला। उन्होंने अधिकारों का गलत इस्तेमाल ना करने की नसीहत अधिकारियों को दी।

हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई

छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन होते ही 21 दिसंबर से पीईकेबी 2 परियोजना के लिए हसदेव के जंगलों में पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है। लगभग 93 हेक्टेयर वन क्षेत्र में 9000 से ज्यादा पेड़ों को काटने की योजना बनाई गई है। हरिहरपुर, साल्ही, घाटबर्रा, फतेहपुर, बासेन, परसा में पेड़ों की कटाई चल रही है। घाटबर्रा, पेंड्रामार जंगल में भी पेड़ काटने की प्रक्रिया जारी है। पेड़ों को काटे जाने के विरोध में ग्रामीणों ने धरना तेज कर दिया है। उनके समर्थन में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहेदव भी ग्रामीणों से मिलने पहुंचे और उनके आंदोलन में शामिल होने की बात कही।

टीएस सिंहदेव ने कहा ग्रामीण एक राय होकर खदान के लिए जमीन देने से मना कर देंगे तो दुनिया की कोई ताकत उनकी जमीन नहीं ले सकती। हम ग्रामीणों के निर्णय के साथ हैं, प्रशासन और पुलिस दबाव देकर खदान नहीं खुलवा सकती। बल पूर्वक दमन से विद्रोह उपजेगा।

कांग्रेस आदिवासियों के साथ

हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा कोल खदान के विरोध में लगभग 500 दिनों से धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा पुरानी खदान जिसकी स्वीकृति पहले हो चुकी है उसका विरोध नहीं है। हरिहरपुर, फतेहपुर सहित अन्य प्रभावित गांव के लोग नई खदान के विरोध में हैं। कांग्रेस पार्टी आदिवासियों और वनवासियों के साथ है।

अधिकारियों को सीमा में रहने की जरूरत

वनों की कटाई के लिए प्रशासन की सख्ती और हथियारबंद पुलिस द्वारा बल प्रयोग की शिकायत पर उपमुख्यमंत्री ने कहा नियम का पालन सभी को करना होगा। आम जनों के टैक्स से पगार पाने वाले सरकारी कर्मचारी और अधिकारी यह समझ लें कि कानून सबके लिए है। यदि वह नियम कायदों की परवाह नहीं करेंगे तो ग्रामीण भी नियम तोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। किसी बात का समाधान बातचीत से ही हो सकता है। ताकत के बल पर आंदोलन को दबाने का परिणाम विद्रोह के रूप में सामने आएगा।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के दौरान भी टीएस सिंहदेव आदिवासियों और ग्रामीणों के समर्थन में हसदेव पहुंचे थे। उन्होंने हसदेव में एक पत्ता भी ना तोड़ने का वादा ग्रामीणों से किया था। जिसके बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी सिंहदेव की राय पर सहमति जताई थी।

बीजापुर में सरेंडर नक्सली का हत्यारा गिरफ्तार, रिश्ते में चाचा है आरोपी

मृतक छोटू कुरसम नक्सल संगठन में सक्रिय था

बीजापुर। सरेंडर नक्सली की हत्या करने वाले दो आरोपियों को बीजापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दो अब भी फरार है। चार लोगों ने मिलकर सरेंडर नक्सली की हत्या कर दी थी और फरार हो गए थे। मुख्य हत्यारा कोई और नहीं बल्कि मृतक का चाचा था जिसने अपने 4 साथियों के साथ मिलकर भतीजे की हत्या की थी।

मृतक छोटू कुरसम अपने परिचित का एक्सीडेंट होने पर एंबुलेंस लेकर मनकेली गांव जा रहा था। इसी दौरान गोरना गांव के पास छोटू कुरसम के चाचा राजू कुरसम और चार लोगों ने एंबुलेंस रोकी और छोटू कुरसम को अपने साथ ले गए। आरोपियों ने छोटू की गला रेत कर हत्या कर दी और शव को गोरना मार्ग पर फेंक दिया। घटना के बाद से ही बीजापुर पुलिस ने शक के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

24 दिसंबर को डीआरजी, बस्तर फाइटर और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने गोरना और मनकेली में सर्चिंग के दौरान हत्या में शामिल दो आरोपियों को पकड़ा। एक आरोपी गुडडु कुरसम उम्र 23 वर्ष निवासी कोकरा थाना बीजापुर और दूसरा आरोपी गुडडु कुरसम मूलवासी बचाओ मंच का सदस्य है। साथ ही मूलवासी बचाओ मंच के 9 पंचायतों का प्रमुख है। पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ पर पता चला कि वह गोरना-मनकेली क्षेत्र के आत्मसमर्पित माओवादियों की रेकी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने छोटू कुरसम का अपहरण कर हत्या की घटना को अंजाम दिया। घटना में शामिल फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। क्षेत्र में लगातार सघन गश्त सर्चिंग की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी गुड्डु कुरसम को कोर्ट में पेश किया गया। दूसरे आरोपी को किशोर कोर्ट में ले जाया गया। मृतक छोटू कुरसम नक्सल संगठन में सक्रिय था और कुछ महीने पहले ही उसने नक्सल संगठन को छोड़ दिया और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। सरेंडर करने के बाद वह गोपनीय सैनिक के रूप में काम कर रहा था।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूछा आदिवासियों में तलाक के क्या है नियम? पत्नी की याचिका पर उठा सवाल

बिलासपुर। कोरबा में रहने वाले पति-पत्नी के बीच आपसी संबंध बिगड़ने के बाद पत्नी ने पति से तलाक लेने के लिए याचिका दायर की थी। इस याचिका के माध्यम से पत्नी हिंदू मैरिज लॉ एक्ट के तहत तलाक चाहती थी, वही पति ने इस मामले में आदिवासी होने की बात कहते हुए हिंदू मैरिज लॉ एक्ट लागू नहीं होने की बात कही है। मामले में दोनों पक्ष के वकील तर्क प्रस्तुत कर रहे थे, इसी दौरान हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस दीपक कुमार तिवारी के डीबी में यह सवाल खड़ा हो गया कि आखिर आदिवासी समाज में तलाक के क्या नियम होते हैं। मामले को लेकर पति के वकील ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार की अधिसूचना पर आदिवासी समाज में तलाक के मामले में हिंदू मैरिज एक्ट लागू नहीं होता, जिस पर जस्टिस गौतम भादुड़ी ने कहा कि आखिर आदिवासी समाज में तलाक के क्या नियम है। मामले की अगली सुनवाई तक तलाक के नियम की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं।

बिलासपुर कोरबा जिले में रहने वाले आदिवासी दंपति के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। पति-पत्नी के बीच आपसी संबंध बिगड़ जाने के बाद पत्नी ने पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए परिवार न्यायालय में तलाक की अर्जी लगाई थी। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद परिवार न्यायालय ने पत्नी की अपील खारिज कर दी और तलाक की अर्जी को ना मंजूर कर दिया था। पत्नी ने इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तलाक मांगी। याचिका में पत्नी ने हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तलाक की मांग की है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान पति के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट आदिवासी समाज से आते हैं और आदिवासी समाज में हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तलाक का नियम नहीं है। आदिवासी समाज हिंदू समाज में नहीं आता और वह हिंदू समाज के तलाक के नियम से बाहरी होता है।

वकील के तर्क पर जस्टिस गौतम भादुड़ी ने कहा कि आखिर आदिवासी समाज में तलाक के क्या नियम है? जस्टिस भादुड़ी ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि क्या आदिवासी समाज में हिंदू मैरिज एक्ट लागू होता है? उन्होंने एडवोकेट को एक्ट की धारा पढ़ने के लिए कहा और साफ किया कि हिंदू मैरिज एक्ट के तहत इस प्रकरण में तलाक मंजूर नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान पति की ओर से तलाक की याचिका पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। हाई कोर्ट की डबल बेंच ने स्पष्ट किया है कि अपील पर आपत्ति नहीं हो सकती। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से पूछा कि ट्राइबल में तलाक के क्या नियम है, इस पर जवाब नहीं मिलने पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फ्रेश याचिका दायर करने की भी छूट दी है।

जो विभाग मिलेगा, उसे उपजाऊ बना दूंगा : श्याम बिहारी

मनेन्द्रगढ़। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद गृह जिले मनेन्द्रगढ़ पहुंचे। मनेन्द्रगढ़ से विधायक और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे पर जवाब दिया है। मंत्रालय बंटवारे को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा है कि मैं किसान का बेटा हूं। चट्टान में हम फसल उगाते हैं। मुझे कोई भी मंत्रालय मिलेगा। उसे हम उपजाऊ बनाकर नई पहचान दिलाएंगे।

बता दें कि कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज मनेन्द्रगढ़ कलेक्ट्रेट के पास कृषि उपज मंडी समिति मैदान में आयोजित किसानों को बोनस वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने उज्ज्वला योजना के तहत हितग्राहियों को गैस वितरण किया। वहीं कई सरकारी योजनाओं के प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति पत्र भी बांटे। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद श्याम बिहारी जायसवाल पहली बार किसी सरकारी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। तो इस दौरान जब उनसे यह सवाल पर कैबिनेट मंत्री बनने के बाद आप बतौर मुख्य अतिथि किसानों के कार्यक्रम में पहुंचे हैं।

कहीं ना कहीं यह न माना जाए कि आप कृषि मंत्रालय संभालने जा रहे हैं तो उन्होंने कहा जो भी मंत्रालय मिलेगा। उसमें बेहतर करने की कोशिश करूंगा। मैं किसान का बेटा हूं। हम चट्टानों में फसल उगाते हैं जो भी मंत्रालय मिलेगा। उसे उपजाऊ बनाकर एक नई पहचान देंगे।

मंत्री लक्ष्मी अस्पताल की अव्यवस्था देखकर भड़की

सीएमएचओ को दिए लचर व्यवस्था सुधारने के निर्देश

सूरजपुर। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एक्शन मोड में दिखीं। वे अचानक निरिक्षण के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल पहुंची। इस दौरान अस्पताल में फैली अव्यवस्था देखकर मंत्री भड़की और डॉक्टर को फटकार लगाई। इसके साथ ही तत्काल व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दी। वहीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मरीजों का हालचाल भी जाना।

जब औचक निरिक्षण करने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर जिला अस्पताल पहुंची। यहां उनकी नजर कूड़ा-कचरा और शौचालय में गंदगी पर पड़ी। जिससे वह गुस्से में आ गई और मौके पर मौजूद डॉक्टर को जमकर फटकार लगाई। वहीं तत्काल इसमें सुधार करने के लिए सीएमएचओ को निर्देश दिया। साथी अस्पताल की छत से टपक रहे पानी को जल्द से जल्द ठीक कराने को कहा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मीडिया से चर्चा करते हो कहा कि मैं अस्पताल में एक मरीज को देखने आई थी पर यहां पर काफी अवस्थाएं हैं। जिसे सुधारने को कहा गया है। अगर सुधर नहीं होती है तो आगे कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल होने के नाते यहां आसपास के साथ पूरे जिले के मरीज आते हैं। यहां पर साफ-सफाई और इलाज सही होना चाहिए ताकि उन्हें सभी सुविधाएं मिल सके।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सरायपाली नगरपालिका में अविश्वास प्रस्ताव पास

महासमुंद। नगरपालिका सरायपाली की अध्यक्ष पद की कुर्सी कांग्रेस के हाथों से निकल गई है। कांग्रेस अध्यक्ष अमृत पटेल के खिलाफ 8 दिसंबर को अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन चार बीजेपी पार्षदों ने जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया था। जिसके बाद कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को पीठासीन अधिकारी बनाकर भेजा ।जिसमें अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 12 और विपक्ष में 3 मत पड़े। इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव 12 के मुकाबले 03 मतों से पारित हो गया। जिसके बाद अध्यक्ष पद की कुर्सी खाली हो गई। आपको बता दें कि नगर पालिका परिषद में पार्षदों की कुल संख्या 15 है। जहां बीजेपी के 8, कांग्रेस के 4 पार्षद और निर्दलीय 3 पार्षद हैं। अविश्वास प्रस्ताव के आवेदन के बाद सरायपाली नगर पालिका के 15 पार्षदों ने मतदान किया। आपको बता दें कि पालिका में पहले भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन कांग्रेस की सरकार होने के कारण सरकार के दबाव में अविश्वास प्रस्ताव पास नहीं हो पाया ।लेकिन छत्तीसगढ़ मे सरकार बदलने के बाद पार्षदों में एक जुटता दिखी और दबाव भी खत्म हुआ।

सुराना महाविद्यालय में हुआ कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला

दुर्ग। सेठ आरसीएस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के आईक्यूएसी एवं प्लेसमेंट सेल की एक दिवसीय कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता राजकुमार कुर्रे ने बताया कि सभी को शासकीय नौकरी दिया जाना संभव नहीं होता है, इसलिए वे स्वरोजगार एवं निजी संस्थाओं में भी बेहतर कैरियर बना सकते हैं। दुर्ग स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के उपसंचालक राजकुमार कुर्रे ने उपस्थित छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कैरियर के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यत: प्रशासनिक सेवा के लिए होने वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इसके साथ सफलता के लिए आवश्यक मूलमंत्रों ङ्क जैसे लक्ष्य का निर्धारण, परीक्षा की तैयारी, दैनिक समाचार पत्रों का अध्ययन, सामूहिक चर्चा, साक्षात्कार के बारे में छात्रों को बताया। राजकुमार कुर्रे ने कहा कि कलेक्टर के निर्देश पर आगामी माहों में कला एंव वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए भी रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा।

इतिहास के रियल लाइफ नायकों का बच्चे लें प्रेरणा: केदार

जगदलपुर। वीर बाल दिवस के अवसर पर जगदलपुर शहर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री और नारायणपुर विधायक श्री केदार कश्यप ने कहा कि देश के महान सपूतों को नमन, जो धर्म के लिए मुगलों के सामने नहीं झुके। धर्म के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों साहबजादों की याद में प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर पूरा देश वीर बाल दिवस मना रहा है। देश, संस्कृति के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वालों इन वीर रियल लाईफ नायकों का वर्तमान के बच्चे प्रेरणा लें। कार्यक्रम में विधायक श्री किरण देव ने साहबजादों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इनके शहादत को सम्मान देने के लिए वीर बाल दिवस आयोजित करने को घोषणा की थी आम जनों को साहबजादों के कठोर बलिदान को पुरे देश को पता होना चाहिए। वर्तमान समय और आधुनिक संसाधनों के युग में स्कूली बच्चों को इन वीर सपूतों को याद रखना चाहिए।

जिले में 10 जनवरी तक चलेगा निर्मल आंगनबाड़ी अभियान

महासमुन्द। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों को स्वच्छ, सशक्त और व्यवस्थित बनाने व स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से निर्मल आंगनबाड़ी अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक पहल की गई है। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने अभियान की शुभारम्भ करते हुए इस अभियान में पंचायत प्रतिनिधियों को आवश्यक निरीक्षण की जिम्मेदारी दी है। इस संबंध में आज समय सीमा की बैठक में निर्मल आंगनबाड़ी अभियान की रूपरेखा प्रोग्राम मैनेजर श्री महेन्द्र आर्य द्वारा पॉवर पॉईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। जिले में यह अभियान 10 जनवरी तक चलेगा। इस अभियान में सरपंच, सचिव की मुख्य भूमिका रहेगी। जो कि अपने ग्राम पंचायत के केन्द्रों में हो रहे बदलाव के निरीक्षण एवं क्रियान्वयन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को भी सप्ताह में कम से कम एक बार आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने कहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा 1 से 6 तक लगेगा शिविर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। लाभार्थियों तक योजनाओं की शत प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभ किए गए विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए रूट प्लान के अनुसार आगामी 1 जनवरी से 6 जनवरी तक 34 ग्राम पंचायतों में शिविर लगेगा। इन ग्राम पंचायतों में प्रचार वाहन सबेरे 9 बजे से और दोपहर 2 बजे से शिविर स्थल पर पहुंचेगा। निर्धारित रूट प्लान के अनुसार पेण्ड्रा विकासखण्ड में 01 जनवरी को सुबह 9 बजे से ग्राम पंचायत मुरमुर एवं दोपहर 2 बजे से जमड़ीखुर्द, 02 जनवरी को सुबह 9 बजे से लाटा एवं दोपहर 2 बजे से सोनबचरवार, 03 जनवरी को सुबह 9 बजे से भाड़ी एवं दोपहर 2 बजे से विशेषरा, 04 जनवरी को सुबह 9 बजे से कोटमीकला एवं दोपहर 2 बजे से सकोला, 05 जनवरी को सुबह 9 बजे से दमदम एवं दोपहर 2 बजे से गोंढ़ा और 06 जनवरी को सुबह 9 बजे से देवरीकला एवं दोपहर 2 बजे से देवरीखुर्द में शिविर लगेगा।

स्थापना दिवस पर आरएसएस के गढ़ में कांग्रेस की बड़ी रैली

■ हैं तैयार हम की थीम पर लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज

रायगढ़। 28 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस पर नागपुर में बड़ी रैली आयोजित की जा रही है। कांग्रेस की इस रैली को लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज और शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। नागपुर में दोपहर 2 बजे से कांग्रेस का कार्यक्रम शुरू होगा।

आरएसएस के गढ़ में कांग्रेस हैं तैयार हम की थीम पर लोकसभा चुनाव 2024 के मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। इस रैली में देशभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण, पदाधिकारी और लाखों कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ से 50 हजार कांग्रेस कार्यकर्ता नागपुर रैली में शामिल होंगे। रायगढ़ में स्थापना दिवस रैली को लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नागपुर की यह रैली देश की राजनीति में परिवर्तन का शंखनाद होगी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में केंद्र की भाजपा सरकार की विफलता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वायता पर हमला के विरोध में यह रैली आम आदमी की आवाज होगी।

कांग्रेस पार्टी अपने स्थापना के समय 1885 से ही जनता के लिये जनता की आवाज बन कर संघर्ष करती रही है।

शहर अध्यक्ष, अनिल शुक्ला ने कहा लोक सभा चुनाव के आगाज को लेकर हम नागपुर में बड़ी रैली कर रहे हैं। जिसकी थीम हैं तैयार हम इस रैली के जरिए कांग्रेस, भाजपा की नाकामियों को जनता तक लेकर जाएगी। नागपुर में रैली के बाद प्रदेश के हर जिले में कांग्रेस हैं तैयार हम रैली करेगी। रायगढ़ से 2000 कांग्रेस कार्यकर्ता नागपुर जाएंगे।

संचार प्रमुख संजय देवांगन ने कहा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है। हार जरूर मिली है लेकिन इससे हम घबराएं नहीं है क्योंकि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के साथ है। जनता के इसी साथ को लेकर कांग्रेस जोर शोर से मैदान में उतरेगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस को हार मिली। साल 2018 में 68 सीटों पर कब्जा करने वाली कांग्रेस साल 2023 में 35 सीटों पर सिमट गई। लेकिन इस चुनाव की खास बात ये रही कि कांग्रेस का वोट प्रतिशत 1 फीसदी से भी कम घटा। इसी कॉन्फिडेंस के साथ कांग्रेस लोकभा चुनाव 2024 की तैयारी में जुट गई है। छत्तीसगढ़ में लोकभा की 11 सीटें हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 9 सीटों पर भाजपा जबकि 2 लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। अब एक बार फिर कुछ ही महीनों में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। दोनों ही पार्टियां अपनी अपनी तैयारी में जुटी गई है। देखना होगा कांग्रेस खोई बाजी वापस ला पाती है या भाजपा की बादशाहत बरकरार रहती है।

जशपुर में धर्मांतरित लोगों की सनातन धर्म में वापसी

■ जूदेव ने धर्मांतरण के खिलाफ कांग्रेस पर बोला हमला

जशपुर। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद धर्मांतरण के खिलाफ जमीनी स्तर पर काम हो रहा है। बीजेपी सरकार ने धर्मांतरण को लेकर अपना रुख पहले भी स्पष्ट रखा था। अब जशपुर और कोरबा इलाके में धर्मांतरित लोगों की घर वापसी हो रही है। कोरबा में रविवार को 101 धर्मांतरित परिवारों की सनातन धर्म में घर वापसी हुई थी। उसके बाद सोमवार को आठ परिवारों की हिंदू धर्म में घर वापसी हुई है। कोरबा के बाद सनातन धर्म में वापसी का यह दूसरा मामला है। जशपुर सरगुजा संभाग में पड़ता है। जबकि कोरबा बिलासपुर संभाग में है।

बीजेपी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पैर धोकर घर वापसी कराई है। इन परिवारों में कुल 12 लोग थे। 12 धर्मांतरित लोगों के पैर धोकर उनकी दोबारा हिंदू धर्म में घर वापसी कराई गई है। इसके बाद बीजेपी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने धर्मांतरण को लेकर विदेशी शक्तियों पर हमला बोला। उन्होंने हिंदू राष्ट्र की वकालत की।

प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा सात समुदंर पार की साजिश रचने वाली शक्तियां लगातार हमारे देश के भोले भाले हिंदुओं का धर्मांतरण कराती हैं। लेकिन हम उन्हें रोकने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे। जितने भी धर्मान्तरित लोग हैं उनकी घर वापसी के लिए यह कार्यक्रम लगातार चलाते रहेंगे। हमारा भारत देश शुरु से हिन्दू राष्ट्र रहा है। हम अपने देश के हिंदुओं को मजबूत करने के लिए लगातार कोशिश करते रहेंगे। प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कांग्रेस सरकार पर धर्मांतरण का आरोप लगाया है। प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि बीते पांच सालों में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण की कोशिश की गई। हम मतांतरण करवाने वालों की निंदा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला आज आ रहे रायगढ़

रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अपने पहले छत्तीसगढ़ प्रवास पर आज रायपुर होकर रायगढ़ आ रहे। इस दौरान वे मध्य भारत के सबसे विशाल सर्व सुविधायुक्त सामाजिक भवन का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी रहेंगे। इसका आयोजन श्री अग्रोहा धाम चैरिटेबल ट्रस्ट रायगढ़ के द्वारा किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला का रायपुर में कोई कार्यक्रम नहीं है। दोपहर 1.40 बजे रायपुर आकर रायगढ़ जाएंगे और रात 9.15 के विमान से दिल्ली लौट जाएंगे।

मुख्यमंत्री को रामराम बड़े भजन मेला में शामिल होने मिला निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज यहाँ राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ रामनामी रामराम भजन संस्था के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सक्ती जिले के जैजैपुर नगर पंचायत में आयोजित रामराम बड़े भजन मेला में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए संस्था के सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर श्री राम सिंह रामनामी, श्री तिहारु राम रामनामी, श्री केदार खांडे, श्री अशोक बघेल तथा संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

दत्तात्रेय मंदिर में मनाया गया दत्तात्रेय जयंती

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित प्राचीनतम दत्तात्रेय मंदिर में 19 से 28 दिसम्बर तक दत्तात्रेय जयंति महोत्सव मनसया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को दत्तात्रेय जयंती मनाया गया। सुबह 9 बजे से रात्रि 11 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमे सुबह 9 बजे दत्त प्रभु, गुरु गोरखनाथ व भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक, आचार्य पं. राजु शर्मा व पं. माधो प्रसाद पाठक सहित एकादश ब्रम्हाण के सस्वर रुद पाठ के साथ किया जावेगा। दोपहर 11 बजे सत्यनारायण कथा पूजन, हवन आरती, संध्या 6 बजे गुरु चरित पाठ, दत्त प्रभु जन्म अध्याय का पठन पं सुबोध मनोहर पाण्डे द्वारा जन्म उत्सव, भव्य आतिशबाज़ी, महा आरती, प्रसाद वितरण के पश्चात भजन संध्या महाराष्ट्र मंडल की टीम मिले सुर हमारा द्वारा प्रस्तुत किया जावेगा।

मुख्यमंत्री से श्री सुदर्शन संस्थानम के सदस्यों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज यहाँ राज्य अतिथि गृह पहुना में श्री सुदर्शन संस्थानम के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजधानी रायपुर के श्री सुदर्शन संस्थानम शंकराचार्य आश्रम रावांभाठा में आयोजित हिन्दूराष्ट्र धर्मसभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्थान के सदस्यों को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि धर्म गुरु गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के सान्निध्य में धर्मसभा का आयोजन रावांभाठा में किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रीमती सीमा तिवारी, श्रीमती चित्ररेखा साहू, श्री टीकाराम साहू और श्री चंदेश्वर पटेल भी उपस्थित थे।

नए साल पर किया हुड़दंग तो खैर नहीं पुलिस की रहेगी पैनी नजर

रायपुर। रायपुर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे ने नव साल के अवसर पर होने वाले आयोजनों और 31 दिसंबर की शाम को शहर की कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि इस अवसर कानून व्यवस्था बने रहे। साथ ही यातायात व्यवस्था अच्छी हो। नव वर्ष पर आयोजन रात सवा 12 बजे की समयावधि के भीतर किया जाए। डॉ. भूरे ने एनजीटी के गाइडलाइन के अनुसार आतिशबाजी करने के निर्देश दिए। इस दौरान हुड़दंग करने वाले तत्वों पर नजर रखने और तुरंत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। विशेष रूप से चौक-चौराहों बड़े आयोजनों वाले होटल, रेस्टोरेंट पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखी जाएगी और किसी प्रकार का गड़बड़ी करने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

शदाणी दरबार अध्यात्मिक शक्ति का केन्द्र : साय

पूज्य शदाणी दरबार में शदाणी शिरोमण्डल और सिंधी समाज द्वारा किया गया भव्य स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का यहां पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ में शदाणी शिरोमण्डल और रायपुर सिंधी समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जय-जय सदाराम घोष के साथ कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहां आने और पूज्य गुरू के आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि शदाणी दरबार अध्यात्मिक शक्ति का केन्द्र है और जो भी यहां सच्चे मन से मत्था टेकता है, उसकी मनोकामना पूरी होती है। शदाणी दरबार के आशीर्वाद से ही मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को प्रदेश की जिम्मेदारी मिली है। मैं यह प्रार्थना करता हूं कि शदाणी दरबार मुझे इतनी शक्ति दे कि मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चुनाव के समय की गई गारंटियों को शत-प्रतिशत पूरा कर प्रदेश की जनता के अटूट विश्वास पर खरा उतर सकूं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को प्रदेश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अभनपुर के ग्राम बेन्द्री में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल के धान के बकाया बोनस के रूप में 3716 करोड़ रूपए की राशि उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने शपथ लेने के अगले ही दिन कैबिनेट की बैठक में गरीबों के 18 लाख आवासों के निर्माण की मंजूरी दी। इससे उन लोगों को आवास मिल सकेगा जो पिछले पांच साल में आवास से वंचित रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी कथनी-करनी समान है। प्रदेश ही नहीं पूरे देश ने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों

हस्तांतरित की गई बोनस राशि और आवास की मंजूरी से निर्माण कार्यों की सामग्रियों का पैसा बाजार में व्यापारियों के पास आयेगा और लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने समाज द्वारा किए गए स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए सभी का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने शदाणी दरबार पहुंचकर सबसे पहले संत सदाराम की समाधि पर जाकर मत्था टेका और शदाणी दरबार में धुनी वाले महादेव साहेब की विधिविधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

संत श्री डॉ. युधिष्ठिर लाल ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के प्रतीक, पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ एक सर्वधर्म, समभाव का संनातनी मान्यताओं के प्रचार-प्रसार की सेवा स्थली है। इस पूज्य स्थल पर मुख्यमंत्री के प्रथम आगमन पर उनका समाज की ओर से स्वागत है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और खुशहाली के लिए धर्मानुसार शासन होता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार आने वाले दिनों में प्रदेश-देश की प्रगति व खुशहाली के लिए और भी बेहतर ढंग से काम करेगी। सभी वर्गों को साथ लेकर समरसता के भाव से उन्नति की ओर अग्रसर होगी।

समाज के युवा प्रतिनिधि श्री अमित चिमनानी ने कहा कि आज सुखद अवसर है जब पूज्य शदाणी दरबार में श्रद्धालुओं को अपना दर्शन देने विष्णु आए हैं। हम सभी हृदय की गहराइयों से आपका अभिनंदन और वंदन करते हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जब केवल 10 वर्ष के थे, तब उनके सर से पिता का साया उठ गया था। जब बच्चे बाल काल में अनेक अटखेलियां करते खेलते कूदते है 10 वर्ष की उम्र से ही श्री विष्णु देव साय परिवारजनों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते प्रदेश और राष्ट्र की सेवा करते हुए सरपंच से विधायक, सांसद, केन्द्र में मंत्री तक का सफर तय किया और आज प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेते ही उन्होंने जनता की पीड़ा को हरने में पल भर की भी देरी नहीं की। पहली ही कैबिनेट में पांच वर्षों से अपने खुद के मकान के लिए तरस रहे 18 लाख परिवारों को उनका अपना पक्का मकान देने का निर्णय स्वीकृत किया। इसके साथ ही आज प्रदेश के 12 लाख से अधिक अन्नदाता किसानों को 3716 करोड़ रुपए की राशि सीधा उनके खाते में हस्तांतरित की।

साहबजादों की शहादत पर गुरुद्वारा में मुख्यमंत्री साय ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। गुरु गोविंद सिंह के साहबजादों की शहादत की याद में देश-प्रदेश में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तेलीबांधा स्थित गुरुद्वारा में पहुंचकर मत्था टेक प्रदेश की खुशहाली और तरक्की की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरु गोविंद सिंह के साहबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि धर्म के लिए उन्होंने बलिदान दिया, जिसके लिए हम उन्हें नमन करते हैं। आज यह बताने की जरूरत नहीं कि हिन्दू धर्म के लिए, भारत देश को आज़ादी दिलाने के लिए सिंख बंधुओं का बड़ा योगदान रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 9 वर्ष और 6 वर्ष की आयु में साहबजादों को मुगल बाबर ने दीवारों में चुनवा दिया। पिछले साल प्रकाश पर्व के दिन इस शहादत को दुनिया देखे, समझे, इसलिए इसे बाल दिवस के रूप में 26 दिसंबर घोषित किया।

मुख्यमंत्री तेलीबांधा गुरूद्वारा पहुंचे

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय रायपुर के तेलीबांधा गुरूद्वारा पहुंचे,वे वीर बाल दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरूद्वारा में मत्था टेककर परिक्रमा की। वीर बाल दिवस पर गुरू गोविंद सिंह के परिवार के बलिदान और उनके सुपुत्रों की शहादत को याद किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को नमन करने आया हूं।

किसानों को बोनस पर ब्याज नहीं देने के कांग्रेस के आरोप पर भाजपा का पलटवार

■ **प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा- झूला-झुलाकर चार किश्तों में किसानों को पैसा दिया तब ब्याज याद नहीं आया**

रायपुर। किसानों को बोनस पर ब्याज नहीं देने और एक साल का बोनस देने वाले कांग्रेस के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि जब कांग्रेस ने सरकार बनाई तब कहा था कि किसानों का पैसा देंगे, लेकिन उन्हें झूला-झुलाकर चार किश्तों में दिया। उस समय उन्हें ब्याज का ख्याल नहीं आया। गंगाजल छूकर कसम खाया था कि 2 साल का बोनस देंगे। उन्हें इस विषय पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि दो साल का बोनस आ रहा है। साल 2014-15 और 2015-16 का बोनस आया है। 2016-17 और 2017-18 का एकमुश्त बोनस हमारी सरकार ने दे दी थी। 60 लाख टन का बोनस किसानों को मिल रहा है। 13 लाख 30 हजार

किसानों के खाते में पैसे जा रहे। सुशासन दिवस पर दो साल का बकाया बोनस दिए जाने को लेकर भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी गारंटी के तहत 2 साल का बकाया बोनस 3700 करोड रुपए जारी किए। पूरे प्रदेश के किसानों में हर्ष है। दूसरी गारंटी 21 क्विंटल प्रति एकड़ में धान खरीदी शुरू हो गई है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी देश ही नहीं दुनिया के आशा के केंद्र हैं। जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया, प्रचंड बहुमत से बीजेपी को जीत दिलाई। मोदी जी जो कहते हैं वह करते हैं। देश में किसानों की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है। प्रदेश के सभी किसान मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। प्रदेश के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नए क्रिमिनल लॉ का किया स्वागत

रायपुर। संसद की शीतकालीन सत्र में हाल ही में पारित हुए तीन संशोधित आपराधिक कानून विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को मंजूरी दे दी है। तीनों बिल को मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री का आभार जताया है।

सीएम विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर लिखा है, भारत की राष्ट्रपति महोदया ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता को मंजूरी प्रदान की गई है। इससे भारत में न्याय का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा।

मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर

प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का हृदय से धन्यवाद करना चाहूंगा। उनकी दूरदर्शी सोच से आज हमें अंग्रेज़ शासनकाल से चले आ रहे कानूनों के स्थान पर सशक्त संहिताएं प्राप्त हुई हैं जिससे निश्चित ही भारत की न्याय व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

20 दिसंबर को भारतीय न्याय संहित, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयकों को लोकसभा से ध्वनिमत के जरिए पारित कर दिया गया था। इसके बाद तीनों विधेयकों को राज्यसभा में भेजा गया, जहां से उसे 21 दिसंबर को पारित कर दिया गया। राज्यसभा में विधेयकों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से पेश किए जान के बाद ध्वनि मत से पारित किया गया था। 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी तीनों बिलों को मंजूरी दे दी है। अब इन बिलों के कानून बनने का रास्ता साफ हो चुका है। ऐसे में अब भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता से, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता से और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) संहिता से बदल जाएगा।

रायपुर में बनेगा एक और नालंदा परिसर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विद्यार्थियों के हित में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि राजधानी रायपुर में नालंदा परिसर की तर्ज पर एक और नालंदा परिसर का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं की मांग पर यह घोषणा आज सुशासन दिवस पर नालंदा परिसर में आयोजित छाया-चित्र प्रदर्शनी के शुभारंभ के दौरान की। यह प्रदर्शनी भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी रायपुर में नये नालंदा परिसर के निर्माण के साथ-साथ वर्तमान में संचालित नालंदा परिसर की सुविधाओं में भी बढ़ोतरी की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से पीएससी, यूपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ा लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान नालंदा परिसर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से बातचीत भी की।

कांग्रेस का प्रचार तंत्र पहले अपनी पार्टी की दुर्दशा देख ले: श्रीवास्तव

रायपुर। बोनस की राशि को लेकर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बयान को हताश, निराश और कांग्रेस का व्यर्थ ही खंभा नोंचना करार देते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की विष्णुदेव सरकार मोदी जी की गारंटी पूरी करती जा रही है तो कांग्रेस की पहले से ही भ्रष्ट मति पूरी तरह कुंद हो गई है। भाजपा ने 18 लाख आवासहीन परिवारों के लिए आवास मंजूर कर बजट का इंतजाम किया। अटलजी की जयंती पर किसानों को दो साल का बकाया बोनस दे दिया गया तो इसमें भी कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। मोदी जी की गारंटी के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रहे हैं तो इसमें भी कांग्रेस को कष्ट यह है कि लोकसभा चुनाव में वह शून्य में गोते लगाने वाली है।

श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों को उनका हक दिया है। कांग्रेस ने किसानों को धोखा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के साथ फर्जीवाड़ा करना कांग्रेस की संस्कृति है। फर्जीवाड़े के अलावा कांग्रेस ने 5 साल में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस जनता का अपमान करती है। अब जनता की सरकार को ईवीएम की सरकार बताते कांग्रेस को लज्जा आनी चाहिए। सत्ता में रहते हुए जनता को लूटा, जनता का अपमान किया। जनता का उत्पीडऩ किया। जनता ने कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ कर फेंक दिया तो अब जनादेश का अपमान करने पर उतर आए। कांग्रेस की यही रीति नीति है। कांग्रेस को सच स्वीकार करना चाहिए कि जनता ने उसे उसके कर्मों का फल दिया है।

उन्होंने कांग्रेस संचार प्रमुख से कहा है कि वे यह ध्यान रखें कि सूरज छूने की कोशिश में पंछी के पर जल जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें देख लेना चाहिए कि कांग्रेस में भरोसे का एक भी नेता नहीं है। हम मोदी जी के नेतृत्व में देश भर में 400 सीटें और छत्तीसगढ़ में सभी 11 सीटें जीत रहे हैं। कांग्रेस का प्रचार तंत्र पहले अपनी पार्टी की दुर्दशा देख ले।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों की ली उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 गरिमापूर्ण मनाने और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों के लिए आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने राज्य शासन के विभिन्न विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में डी.जी.पी. श्री अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू और श्रीमती रेणु जी पिल्ले शामिल हुई।

मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के आयोजन के संबंध में तमाम व्यवस्था और तैयारियों के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए है। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस ग्राउंड रायपुर में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। आयोजन की तैयारियों के लिए अधिकारियों को सभी जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक सभी दिशा-निर्देश दिए गए है। बैठक में मंच, पंडाल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, माननीय राज्यपाल और मुख्यमंत्री जी के संदेश सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम यातायात, सुरक्षा, साफ-सफाई सहित अन्य तमाम व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में वन एवं गृह विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री डी.डी. सिंह, राज्यपाल के सचिव श्री अमृत खलखो, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, खाद्य विभाग के सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस में हो सकती है आपसी गुटबाजी, लेकिन भाजपा में नहीं

■ **मंत्रियों के विभाग बंटवारे को रामविचार नेताम ने पार्टी संस्कृति से जोड़ा**

रायपुर। मंत्रियों के विभाग बंटवारे में हो रही देरी को लेकर किए गए सवाल को कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने पार्टी संस्कृति से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि आपसी गुटबाजी कांग्रेस में तो हो सकती है, लेकिन भाजपा में इस तरह की बात नहीं होती। बीजेपी कार्यकर्ता भाव से काम करती है। पद का दायित्व मिला है, जल्द ही विभाग की घोषणा हो जाएगी।

रामविचार नेताम ने कहा कि दूसरे राज्य में भी यही स्थिति है। सबका एक साथ घोषणा होने की संभावना है। वहीं सरगुजा संभाग को मिले प्रतिनिधित्व को लेकर उन्होंने कहा कि सरगुजा संभाग की सभी सीटें जनता ने भाजपा

की झोली में डाल दी है। शीर्ष नेतृत्व ने भ ी सरगुजावासियों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए तीन-तीन कैबिनेट मंत्री के अलावा मुख्यमंत्री का पद दिया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दो उप मुख्यमंत्रियों अरुण साव और विजय शर्मा के साथ 13 दिसंबर को पद की शपथ ली थी। वहीं 22 दिसंबर को राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। मंत्रियों के शपथ ग्रहण के चार दिन बाद भी उनके विभागों को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है।

राशन घोटाले से क्या अब पर्दा हटेगा, जिसकी शिकायत रमन ने केन्द्र से की थी

रायपुर। पिछले पांच सालों में हुए राशन घोटाले की प्रमाणित शिकायत वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष डा.रमनसिंह के द्वारा केन्द्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल से की गई थी तब केन्द्र से टीम भी जांच के लिए आई थी,तब खाद्य संचालनालय के कुछ ओहदेदार अधिकारियों ने गोलमाल जानकारी पेश कर दी थी,जो कि वास्तविक नहीं है। कुछ पर कार्रवाई होने की जानकारी केन्द्र से मिली,कुछ प्रक्रिया में होने की बात कही गई। चूंकि अब राज्य में भाजपा की सरकार है,सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी? 13हजार राशन दुकानों में से जिन राशन दुकानों में बचत घोटाला हुआ है उसको दबाने के लिए जो खेल किया जा रहा है उसकी जानकारी मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्रीद्वय को भी दी जा रही है। भाजपा सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान राज्य की जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली देश में नंबर एक पर थी वो आज 18 नंबर तक खिसक चुकी है, आखिर क्यों समझा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में डा.रमन सिंह 2003 से 2018 तक राज्य के मुख्यमंत्री थे। उनके राज में प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली में कम्प्यूटर का शानदार ढंग

से उपयोग कर राशन कार्ड धारकों को हर महीने चांवल सहित अन्य सामग्री देने की व्यवस्था की गई थी। ये प्रणाली बहुत अच्छी थी। सेंट्रल अलॉटमेंट के लिए खाद्य संचालनालय को जिम्मेदारी दी गई थी कि दो महीने पूरा कोटा दिया जाए और तीसरे महीने बीते दो महीने में बचत को घटा कर तीसरे महीने बचा कोटा दिया जाए। इस व्यवस्था के लिए राज्य के हर राशन दुकानों के द्वारा घोषणा पत्र जमा किया जाता था।

लेकिन 2018 में सत्ता परिवर्तन के बाद संचालनालय के एक अधिकारी ने सारे नियम कायदे को ताक में रख दिया,ऐसा क्यो किया गया बताने की जरूरत नहीं। राशन दुकानों में चांवल शक्कर सहित अन्य खाद्यान बचे होने के बाद भी हर महीने पूरा अलॉटमेंट दिया जाता रहा। महज साढ़े तीन साल में प्रदेश की 13हजार राशन दुकानों में से 5 हजार राशन दुकानों के घोषणा पत्र में 600 करोड़ रुपए का खाद्यान्न केवल कागज में रह गया। जिन राशन दुकानों के गोदाम सिर्फ 250-300 क्विंटल क्षमता के थे उनमें 500 से 1500 क्विंटल चांवल बचा दिखा।

तब तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधान सभा अध्यक्ष डा रमन सिंह ने प्रमाणित रूप से दस्तावेजी साक्ष्य के साथ मार्च 2023में विधानसभा में मुद्दा उठाया था। तब सदन में भी सही जानकारी पेश नहीं की गई। राज्य सरकार से न्याय न मिलने पर डा रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिख कर जांच की मांग की थी। तब खाद्य संचालनालय के अधिकारी केंद्र को भी फर्जी आंकड़े देकर बचने की कोशिश कर रहे थे। इसका खुलासा खाद्य अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र गुलाटी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय खाद्य मंत्रालय को पत्र लिख कर अगस्त 2023में जांच की मांग की थी। गुलाटी ने पत्र में बचत राशन घोटाले के लिए अपर संचालक को जिम्मेदार बताते हुए उन्हें हटा कर जांच की मांग की है।

जैसे कि मालूम हो भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में छत्तीसगढ़ सार्वजानिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2017 बनाया था। इस आदेश में राशन दुकानों में स्टॉक और वितरण रजिस्टर का प्रारूप खाद्य संचालक संचालनालय द्वारा बनाया जाना था। लेकिन पिछले 5 साल में इस कार्यालय ने प्रारूप नहीं बना कर दिया जिसके कारण किसी भी राशन दुकान में स्टॉक और वितरण रजिस्टर नहीं रखा गया। ये सब घोटाले को जन्म देने के लिए किया गया था।

मामले की शिकायतकर्ता खाद्य अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र गुलाटी के अनुसार -

राशन बचत घोटाले को छुपाने के लिए 13 हजार राशन दुकानों के घोषणा पत्र को विभाग के पोर्टल से हटा दिया गया है।

जिन राशन दुकानों में हजारों क्विंटल चांवल शक्कर का घोटाला हुआ है उन्हे बिना किसी लिखित आदेश के बाजार से चांवल शक्कर खरीद कर रखने का गोपनीय मौखिक आदेश दिया गया। सरकारी आदेश में केवल नागरिक आपूर्ति निगम ही चांवल आदि प्राप्त किया जा सकता है। गुलाटी का कहना है कि किसी भी राशन दुकान जहां बचत घोटाला हुआ है वहां फर्जी खरीदी की गई है। न तो क्वालिटी युक्त चांवल खरीदा गया है और न ही बिल ही लिया गया है। सारा फर्जीवाड़ा है।

दोहरी मतदान प्रणाली चाहता है विपक्ष?

अभय कुमार दुबे

विपक्ष के इंडिया गठबंधन ने एक अधिकारिक प्रस्ताव पारित करके ईवीएम पर बहस की आग में घी डाल दिया है। हालांकि इस मोर्चे ने ईवीएम हैकिंग को कांग्रेस की पराजय का जिम्मेदार नहीं ठहराया, लेकिन उसने शक की सुई को इन मशीनों की ओर घुमाते हुए सुझाव दे डाला है कि वीवीपैट (वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) की पर्चियों को बॉक्स में गिरने देने के बजाय वोटर को थमाया जाना चाहिए ताकि वह अपने वोट की पुष्टि के बाद उसे स्वयं एक मतपेटिका में डाले और फिर उस पेटी में पड़ी हुई सभी पर्चियों की गिनती की जाए यानी यह गठबंधन दोहरी मतदान प्रणाली का आग्रह कर रहा है। ईवीएम में भी वोट पड़ें और वीवीपैट की पर्चियों के रूप में भी वोटों की गिनती हो। एक तर्क यह भी चल रहा है कि ईवीएम के साथ वीवीपैट जोड़ने से उसकी हैकिंग और आसान हो गई है। खास बात यह है कि वोटिंग मशीनों पर सवालिया निशान लगाने वाली ये सभी बातें तकनीकी अंदाज में विशेषज्ञों की भांति की जाती हैं। इन्हें पढ़ने पर उन लोगों का शक और गहरा हो जाता है जो मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान की लोकतांत्रिक निष्ठाओं को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। इस पूरी चर्चा में एक बात तकरीबन गायब रहती है। कोई विशेषज्ञ और कोई पार्टी हमें यह नहीं बताती कि पार्टी निष्ठाओं की गिरफ्त से आजाद हमारे मतदादा-मंडल का नब्बे फीसदी से ज्यादा हिस्सा इस बारे में क्या सोचता है। क्या वास्तव में उसे ईवीएम वाली चुनाव-प्रणाली पर संदेह है? देश में इतनी सर्वे-एजेंसियां हैं, इतनी रेटिंग-एजेंसियां हैं। ये सालभर सक्रिय रहती हैं लेकिन किसी ने आज तक इन्हें ईवीएम पर सर्वे करने का प्रोजेक्ट नहीं थमाया है। चुनाव आयोग भी यह काम कर सकता है। एक बड़े और प्रातिनिधिक सैंपल के साथ जब कोई भरोसे वाली एजेंसी सुपरिभाषित और पूर्वघोषित सर्वे पद्धति का इस्तेमाल करेगी, तो उसके नतीजों से कमोबेश पता लग जाएगा कि वोटिंग प्रतिशत बढ़ाते रहने वाला हमारा मतदाता-समाज इस विवाद के बारे में क्या सोचता है। जरूरी नहीं कि इससे शंका की सुई हिलनी बंद हो जाए, पर वह कुछ देर के लिए थमेगी जरूर। यहां मैं ईवीएम पर नीर-क्षीर विवेक कर सकने वाले एक और नजरिये को पेश करना चाहता हूं। मुख्य तौर पर विश्लेषणात्मक होने के साथ-साथ इसका आधार मतदाताओं की न्याय-बुद्धि पर भरोसे में निहित है। सोचने की बात है कि अगर मध्य प्रदेश के वोटरों ने भाजपा की बजाय कांग्रेस को आठ फीसदी वोट ज्यादा दिए होते और ईवीएम से वोट भाजपा के निकलते तो मतदाताओं पर क्या प्रतिक्रिया होती? ऐसा तभी हो सकता था जब मध्यप्रदेश की ऊंची और ओबीसी जातियां भाजपा की बजाय कांग्रेस को पसंद करतीं, साथ ही मध्यप्रदेश की स्त्री-मतदाताओं की प्राथमिकता भी भाजपा की बजाय कांग्रेस ही होती। क्या अपने वोट को सीधे-सीधे लुटते देख कर इतने बड़े-बड़े मतदाता-मंडल चुपचाप बैठे रहते। उनमें आपसी चर्चा भी नहीं होती। अगर इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के बीच इस तरह की शंका का आदान-प्रदान होता तो क्या उनकी प्रतिध्वनि राजनीतिक समाज तक नहीं पहुंचती? सामान्य मतदाता भले ही पार्टी-कार्यकर्ताओं की तरह सोच-बोल न पाते हों, क्या हमें उन्हें राजनीतिक रूप से एकदम निष्क्रिय मान लेना चाहिए? इसी तरह हमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी गौर करना चाहिए। अगर राजस्थान में राजपूतों, गूजरों, ब्राह्मणों और ओबीसी जातियों ने भाजपा को पसंद करने के बजाय कांग्रेस को पसंद किया होता और वोट भाजपा के निकलते तो क्या इन मतदाताओं में कोई प्रतिक्रिया नहीं होती? मेरा मानना है कि ये मतदाता समुदाय गुस्से में भरकर सड़कों पर निकल पड़ते-और इन्हें संभालना नामुमकिन हो जाता। समझा जाता है कि जाट-प्रधान निर्वाचनक्षेत्रों में इस बार कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर वहां वोट भाजपा के निकलते तो क्या राजस्थान के जाट ऊंची आवाज में अपना विरोध व्यक्त नहीं करते? इस तरह का चुनावी फर्जीवाड़ा देश में एक राजनीतिक बगावत की स्थिति पैदा कर सकता है। इस बगावती तूफान के सामने कोई सरकार या प्रशासन नहीं टिक पाएगा। हर चुनाव में मुहिम के आखिरी दौर में यह पता लगना शुरू हो जाता है कि कौन जीतने वाला है। यह आवाज जमीन से आने लगती हैं लेकिन, उसे सुनने के लिए आपका जमीन पर खड़ा रहना जरूरी है। दूसरे, हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत समुदायों का लोकतंत्र है यानी, हमारे देश में वोट सामुदायिक हिसाब से पड़ते हैं।

भारत में किस हाल में हैं चार जातियां

पी. चिदंबरम

यह सर्वमान्य तथ्य है कि देश में चार जातियां हैं। सही मायनों में देश में चार वर्ण और अनगिनत जातियां हैं, जिनकी संख्या हजारों में है। चार वर्ण हैं- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। तथाकथित अछूत कही जाने वाली जाति को शूद्र के नीचे रखा गया था, जिन्हें अब दलित कहा जाता है। दरअसल वर्ण भारत के लिए अभिशाप रहे हैं-जिनसे पदानुक्रम पैदा हुए, पूर्वाग्रह मजबूत हुए, रोजगार को अलग-थलग किया गया, गतिशीलता नकारी गई और करीब एक-चौथाई आबादी को विकास का स्वाद चखने से दूर रख गया। इसलिए, मैं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चार जातियों की दी गई परिभाषा का स्वागत करता हूं, जो गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं। हालांकि मुझे जाति शब्द पसंद नहीं है। लेकिन एक तरफ छोड़कर, हम अपने आप से यह सवाल पूछें कि मोदी के भारत में ये चार जातियां किस हाल में हैं।

गरीब- यूएनडीपी के अनुमान के अनुसार, भारत में 22.8 करोड़ लोग गरीब हैं, जो जनसंख्या का 16 प्रतिशत है। हालांकि यह आकलन गरीबी को मापने के बेहद निम्न पैमाने पर आधारित है, जिसमें शहरी इलाकों में प्रति महीने प्रति व्यक्ति आय 1,286 रूपये और ग्रामीण इलाके में 1, 089 रुपये है। वर्ष 1991 में शुरू की गई उदारीकरण की नीति को धन्यवाद देना चहिए, जिसके कारण लाखों लोग गरीबी से बाहर आ सके। लेकिन इन आंकड़ों पर विचार करें। देश की निचली 50 प्रतिशत आबादी के पास केवल तीन प्रतिशत संपत्ति है और वे कुल राष्ट्रीय आय का केवल 13 फीसदी अर्जित करते हैं। इस वर्ग में 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन के, 19.3 प्रतिशत कमजोर और 35.5 प्रतिशत बौने हैं। 15 से 49 आयु वर्ग की 50 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं खून की कमी यानी एनीमिया से पीड़ित हैं। सरकार ने अगले पांच साल तक 81 करोड़ लोगों यानी 57 प्रतिशत आबादी को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलोग्राम मुफ्त राशन देना आवश्यक समझा। इसका साफ मतलब है कि देश में बड़े पैमाने पर कुपोषण और भुखमरी है। स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट, 2023 (अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी) और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 2017-18 और 2022-23 के बीच तीन प्रकार के श्रमिकों की मासिक कमाई स्थिर रही है। ऐसे में मात्र 16 प्रतिशत आबादी को गरीब आंकना गलत है।

युवा- आधा भारत 28 वर्ष (औसत आयु) से कम आयु का है। पीएलएफएस (जुलाई 2022-जून 2023) के अनुसार, 15-29 वर्ष की आयु के लोगों की बेरोजगारी दर 10.0 प्रतिशत (ग्रामीण 8.3, शहरी 13.8) है। स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, 25 वर्ष से कम आयु वाले स्नातकों में बेरोजगारी दर 42.3 प्रतिशत है। स्नातक छात्रों की जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई, (और लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा) बेरोजगारी दर कम हो गई, लेकिन 30-34 वर्ष की आयु के स्नातकों के बीच भी बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत है। उच्च बेरोजगारी का असर आंतरिक प्रवासन, अपराध, हिंसा और नशे के उपयोग में बढ़ोतरी में दिखता है। सरकार का यह दावा जुमला बनकर रह गया कि वह हर साल दो करोड़ रोजगार पैदा करेगी। विगत जुलाई में संसद में एक लिखित जवाब में सरकार ने खुलासा किया कि मार्च, 2022 में सरकारी महकमों में 9,64,359 पद खाली थे। सरकार के पास इतने बड़े पैमाने पर बेरोजगारी का कोई जवाब नहीं है। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी एक ज्वालामुखी के समान है, जो कभी भी फट सकती है।

महिलाएं-महिलाएं आबादी का आधा हिस्सा हैं और उनके पिछड़ेपन के कई कारण हैं- जिसमें पितृसत्ता, प्रतिगामी सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंड, कम शिक्षा, कम संपत्ति, उच्च बेरोजगारी, लैंगिक भेदभाव और महिलाओं के खिलाफ अपराध मुख्य हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट (दिसंबर, 2023) के अनुसार, 2021 की तुलना में 2022 में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामले में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2022 में महिलाओं के खिलाफ 4,45,000 अपराध दर्ज किए गए। ज्यादातर अपराध परिवार के सदस्यों द्वारा क्रूरता, घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन उत्पीड़न, बलात्कार और दहेज की मांग के थे।

लैंगिक असमानता और भेदभाव जिंदगी के हर क्षेत्र में पाया जाता है, खासतौर से आय के मामले में। अनौपचारिक क्षेत्र में पुरुष कामगार महिला श्रमिकों की तुलना में 48 प्रतिशत अधिक कमाते हैं, जबकि नियमित वेतन वाले पुरुष महिलाओं की तुलना में 24 फीसदी अधिक कमाते हैं। महिलाओं में आबादी और श्रमिक का अनुपात 21.9 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों में यह 69.4 प्रतिशत है। शहरी महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी दर 24.0 है, जबकि पुरुषों की 73.8 प्रतिशत है। विश्व बैंक के अनुसार, वर्ष 2004-05 से 2011-12 के बीच 1.96 करोड़ महिलाओं ने काम छोड़ दिया। अगर इन असमानताओं को नजरअंदाज किया जाता है, तो इसका मतलब यह होगा कि महिलाएं आने वाली कई सदियों तक दबी ही रहेंगी।

किसान- एनसीआरबी का आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2014 और 2022 में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या अधिक रही है। यदि इसमें कृषि मजदूरों की संख्या को भी जोड़ दिया जाए, तो 2020, 2021 और 2022 में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या क्रमशः 10,600, 10,881, और 11,290 रही है। हर साल किसान अपनी जी-तोड़ मेहनत से गेहूं और चावल की रिकॉर्ड पैदावार करते हैं, जिसका सबूत केंद्रीय पूल में इसके बढ़ते भंडार से मिलता है। इसके बावजूद किसान गरीब हैं। जब कृषि उत्पाद की कीमत कम होती है, तब किसानों को नुकसान होता है और जब कीमत बढ़ती है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार निर्यात पर रोक लगा देती है।

किसानों के पिछड़ेपन का मुख्य कारण छोटी जोत, खेती में बढ़ती लागत, अपर्याप्त एमएसपी और अनिश्चित बाजार मूल्य, उपभोक्ता के पक्ष में पक्षपाती आयात और निर्यात नीतियां, प्राकृतिक आपदाएं और बीमा राशि है, जो या तो हैं ही नहीं या उनको नकार दिया गया है। एक खुशहाल किसान विरोधाभासी होता है। किसानों का गुस्सा उस वक्त देखने को मिला, जब सरकार ने उनसे बिना सलाह लिए कृषि कानून लागू करने की कोशिश की थी। इन चारों जातियों का बड़ा हिस्सा गरीब और दुखी है तथा उन्हें मोदी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं है। उन्हें यह मालूम है कि सरकार का झुकाव अमीरों की तरफ है। किसानों की चुप्पी सरकार की नीतियों का अनुमोदन या सहमति नहीं है। यह चुप्पी इसलिए है, क्योंकि वे गरीब हैं, उनके पास कम ताकत है और वे डर के साये में जीते हैं।

कृपया इनसे सीखें

खाने के बीस पैकेट और साइकिल की सवारी

उषा वेंकटेश, प्राध्यापिका

मैं केरल के अल्लपुझा इलाके में ब्राइटलैंड डिस्कवरी स्कूल की संस्थापक और प्रिंसिपल हूँ। दक्षिण कोरिया में जब महामारी का प्रकोप फैला, तो हमने अपने छात्रों को बताया कि कैसे लापरवाही के कारण यह आपदा बढ़ गई है। इससे छात्रों को यह समझने में मदद मिली कि जब कोई बीमार होता है, तो सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना क्यों जरूरी होता है।

मैं सुबह जल्दी उठती हूँ, और कुछ करीबी मित्रों के साथ बात करने के बाद खाना बनाकर बीस डिस्पोजेबल पैकेट में पैक करने के बाद उन्हें जरूरतमंदों के बीच बाँटने निकल जाती हूँ। मैं वही कर रही हूँ, जो लॉकडाउन की अवधि में मैं कर सकती हूँ।

जरूरतमंदों की सेवा करना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। कुछ दिनों पहले मेरे घर पर एक उत्सव हुआ था, जिसमें काफी खाना बच गया था। हमने बचे हुए खाने को पास के ही एक सामुदायिक बक्से में रख दिया, जहाँ से जरूरतमंद लोग खाना ले जाते थे। वहाँ भूखे लोगों की भीड़ देखकर मैंने हफ्ते में कम-से-कम 15 पैकेट खाना वहाँ रखने का फैसला किया। मैं अपने इस फैसले का कड़ाई से पालन कर ही रही थी कि तभी लॉकडाउन की घोषणा हो गई।

बेटे ने दी चुनौती- मेरा बेटा ऑस्ट्रेलिया में रहता है। लॉकडाउन की घोषणा के बाद उसने फोन पर मुझे चुनौती देते हुए कहा कि क्या मैं अब भी भूखें लोगों को खाना खिलाऊँगी। मैंने उसकी चुनौती स्वीकार की और अब हर रोज बिना किसी परेशानी के बीस पैकेट खाना बनाकर साइकिल पर लेकर उसे बाँटने निकल जाती हैं।

पहले दिन की घटना - पहले दिन जब मैं खाना लेकर सामुदायिक बक्से के पास गई, तो वहाँ भारी भीड़ देखकर घबरा गई। उनमें से एक ने जब यह कहा कि वह जानता था कि मैं खाना लेकर आऊँगी, तो मुझे खुशी हुई। मैंने तभी हर रोज खाना बाँटने का फैसला कर लिया।

साइकिल से सेवा-लॉकडाउन के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों और ट्रक ड्राइवरों को उठानी पड़ी है। इसलिए ज्यादा-से-ज्यादा लोगों तक पहुँचने के लिए मैंने साइकिल का सहारा लिया है और साइकिल से ही लोगों को घूम-घूमकर खाना बाँटती हूँ। वैसे भी आजकल गर्मी बढ़ने लगी है, इसलिए साइकिल से सुविधा होती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगराजोपनिषद्

गतांक से आगे...

तृतीय चक्र नाभि चक्र है, उसके अन्दर संसार की स्थिति कही गयी है। उसके मध्य में पाँच आवृत्ति वाली विद्युत् के समान शक्ति का चिन्तन (ध्यान) करना चाहिए। उसका ध्यान करके विद्वान् पुरुष समस्त सिद्धियों को प्राप्त कर लेता है। चतुर्थ चक्र नीचे की ओर मुँह किये हृदय में स्थित है, ऐसा जानना चाहिए।

उसके मध्य में प्रकाश के रूप में हंस का ध्यान प्रयत्नपूर्वक करना चाहिए। उसका ध्यान करने से सारा संसार वशीभूत हो जाता है, इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं करना चाहिए। पञ्चम चक्र कण्ठचक्र कहा गया है, उसके वाम भाग में इड़ा, दक्षिण भाग में पिङ्गला एवं मध्य में सुषुम्ना की स्थिति कही गई है। वहाँ पर (कण्ठचक्र में) पवित्र प्रकाश का ध्यान करने से समस्त सिद्धियाँ मिल जाती हैं। छठा तालुका चक्र कहा गया है, जिसे घण्टिका स्थान भी कहते हैं।

उसे दसवें द्वार का मार्ग एवं राजदन्त भी कहा जाता है। वहाँ पर शून्य में (मन को) लय करने से मनुष्य निश्चित रूप से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। सप्तम भ्रू चक्र है, उसे विद्या एवं बिन्दुस्थान भी कहते हैं। योगीजन भृकुटि मध्य में गोलाकार ज्योति का ध्यान करके मुक्ति प्राप्त कर लेते हैं। परम निर्वाण का सूचक आठवाँ चक्र ब्रह्मरन्ध्र कहा जाता है। धूम्रवर्ण वाले उस सूतिका ग्राम अर्थात् उद्गमस्थान का ध्यान करके योगी मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। उस नीलवर्ण वाले मोक्षदाता को जालन्धर (जालन्धरपीठ) समझना चाहिए। नौवाँ चक्र सोलह दल वाला व्योमचक्र कहा गया है। उस षोडशदलचक्र के मध्य में जो पराशक्ति अवरुद्ध (स्थित) है, उसे संविद् कहना चाहिए। वहाँ (उस चक्र के मध्य में) पूर्णागिरिपीठ में पूर्णशक्ति का ध्यान करके साधक मुक्ति प्राप्त कर लेता है। जो साधक ऊपर वर्णित इन नौ चक्रों में से क्रमशः एक-एक का ध्यान करता है, उसे मुक्ति के सहित समस्त सिद्धियाँ प्रतिदिन प्राप्त होती जाती हैं।

क्रमशः ...

महामारी की तैयारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस

पारितोश शाही

महामारी की तैयारी का अंतरराष्ट्रीय दिवस पहली बार पिछले 27 दिसंबर 2020 को मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महामारी के रोकथाम, तैयारियों और साझेदारी के महत्व को समझते हुए 27 दिसंबर को महामारी की तैयारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में चिन्हित किया।

यह दिन पहली बार पिछले 27 दिसंबर को मनाया गया था। जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महामारी के खिलाफ तैयारियों रोकथाम के महत्व की वकालत करने की आवश्यकता पर बल दिया था। महामारी प्रबंधन पर सबक सीखना और महामारी की रोकथाम को मजबूत करने के लिए उन्हें यह लागू करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति आने पर इसके तैयारी और रोकथाम के लिए पर्याप्त समय मिल सके। कोविड-19 जैसे भयंकर महामारी से बचाव के लिए हर अंतरराष्ट्रीय संगठन, हर व्यक्ति की एकजुटता और साझेदारी होना जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र सभा ने इस दिन को चिन्हित करते हुए सभी देशों को महामारी के तैयारियों को आगे बढ़ाने, जागरूकता फैलाने और इस विषय को लेकर लोगों के बीच जरूरी जानकारी देने के लिए बनाया था। ताकि विषम परिस्थितियों में लोगों के बीच अफवाह ना फैले। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख एडहॉनम ने कहा था- इतिहास हमें बताता है कि यह आखिरी महामारी नहीं होगी। महामारी हमारे जीवन की सच्चाई है, यह हमें बताती है कि मनुष्य के स्वास्थ्य और इस धरती के बीच बहुत गहरा रिश्ता है। अगर हम पर्यावरण के सामने आ रहे हैं खतरे पर ध्यान नहीं देते हैं, तो आने वाले वक्त में यह और विकराल रूप में वापस आएगा।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के एक बयान के अनुसार समय के अनुसार हमें उन प्रणालियों में निवेश करना चाहिए जिससे हमें उसके प्रकोप के बारे में पता चलता है। अगर हम ठीक समय पर इसके विकरालता के बारे में आकलन कर लेते हैं, तो इनसे जुड़ी सभी जरूरी उपकरण का उपाय शुरू किया जा सकता है। गरीब से गरीब देशों में भी महामारी को फैलने से रोका जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य वन हेल्थ दृष्टिकोण को कारगर बनाना है। जो अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ पौधे, मानव स्वास्थ्य और पशु स्वास्थ्य के बारे में भी लोगों को सजग करेगा।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के अनुसार कोविड-19 ने लोगों को नए तरीके से जीना सीखा दिया है। कोविड-19 के कारण अब तक दुनिया भर के 54 लाख 16 हजार 370 लोगों की जान जा चुकी है। अब इसके नए वेरिएंट ओमिक्रोन के चलते फिर से कई जगहों पर स्थानीय सरकारों द्वारा सख्ती बरतनी शुरू की जा चुकी है।

सारे पड़ोसियों से पाकिस्तान के बिगड़ते रिश्ते

राजेश बादल

पाकिस्तान अब चीन की राह पर चल पड़ा है। हम मान लें कि भारत के साथ उसके संबंध अब सुधरने वाले नहीं हैं। बाकी दो पड़ोसी अफगानिस्तान और ईरान भी इन दिनों उससे आगबबूला हैं। खौफ का कारोबार करने वाले लश्करों ने अपनी पनाहगाह पाकिस्तान को तो पहले से ही निशाने पर ले लिया था। अब उनसे ईरान निपट रहा है। ताजा वारदात ने ईरान को इस बात के लिए मजबूर कर दिया है कि वह पाकिस्तान को अब तक की सबसे सख्त धमकी दे। उसने पाकिस्तान से दो-टूक कहा है कि उसका अपनी सीमाओं पर नियंत्रण नहीं रह गया है। वह अपराधियों को संरक्षण देने वाला मुजरिम मुल्क है। वहां दहशतगर्द बहुत सुरक्षित रहते हैं। उन पर काबू पाने में पाकिस्तान सरकार नाकाम रही है। अब ईरान इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

ताजा वारदात ईरान के सिस्तान - बलूचिस्तान में हुई है. यह प्रांत पाकिस्तान के कब्जे वाले बलूचिस्तान से सटा हुआ है। पाक के कब्जे की बात मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह प्रदेश हिंदुस्तान से अलग होते समय अंग्रेजों ने पाकिस्तान को नहीं सौंपा था। बलूचिस्तान एक स्वतंत्र देश था और अंग्रेज जब 1947 में अपने देश वापस गए तो बलूचिस्तान को आजाद कर गए थे। बाद में षडयंत्रपूर्वक पाकिस्तान ने इस स्वतंत्र देश पर कब्जा कर लिया। इसके बाद से ही वहां की अवाम पाकिस्तान से मुक्त होने के लिए छटपटा रही है। अनेक संगठन अपनी आजादी के लिए दशकों से वहां काम कर रहे हैं। इन संगठनों से लड़ने के लिए पाकिस्तान के अपने पैदा किए हुए

भी कुछ गिरोह हैं, जो ईरान भी जाकर मार करते हैं।

इनमें से एक जैश अल अदल है। यह संगठन दक्षिण पूर्व ईरान में सक्रिय है।ईरान ने इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया है, लेकिन पाकिस्तान उसके विरुद्ध कार्रवाई से बचता रहा है। इस उग्रवादी गैंग ने हाल ही में रास्क के पुलिस मुख्यालय पर हमला किया था। इसमें ईरान के ग्यारह सुरक्षा अधिकारियों की मौत हो गई थी। अरसे बाद ईरान में इतना बड़ा आतंकवादी हमला हुआ है। इसके बाद ईरान ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया और उसकी भर्त्सना की। ईरान शिया बाहुल्य मुल्क है और पाकिस्तान में सुन्नियों का बोलबाला है। जैश अल अदल भी सुन्नी गिरोह है। उसने ईरान में बीते दिनों ईरानी सुरक्षा दलों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। यह तथ्य छिपा नहीं है कि पाकिस्तान में शियाओं की दुर्गति है। पाकिस्तान ने आतंकवादी गिरोहों को रोकने के लिए आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

ईरान के गृह मंत्री अहमद वाहिदी ने रास्क से जारी बयान में पाकिस्तान को खुली चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान चाहेगा कि पाकिस्तान अपनी सीमा पर ऐसे उग्रवादियों का सफाया करे और उन्हें ईरान में नहीं घुसने दे। उन्होंने जोड़ा कि दुश्मन ने भारी हमले की तैयारी की थी। ईरानी गार्ड्स ने उसे विफल कर दिया। उन्होंने तो यह भी कहा कि शिया होने के कारण ही पाकिस्तान ऐसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई से बचता है। यही कारण है कि तीन-चार महीने पहले इस संगठन ने चार पुलिस अधिकारियों को मार डाला था। उससे पहले मुठभेड़ में भी ईरान के छह वरिष्ठ पुलिस अफसर मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच वार्ताओं के दौर चले। मगर उनका नतीजा नहीं निकला।

पाकिस्तान के रक्षा सचिव हमूद उज जमां खान ने ईरान के उप रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल मेहदी फराही से मिलकर सफाई दी पर, ईरान का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। इस भीषण हमले के बाद पाकिस्तान बचाव की मुद्रा में है। उसके विदेश विभाग ने कहा है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। लेकिन उसके पास इस आरोप का उत्तर नहीं है कि पाकिस्तान सुन्नी गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करता। इसके पीछे एक ठोस कारण और है। पाकिस्तानी फौज ही इन गिरोहों को संरक्षण देती आई है।

फौज के आला अधिकारी सेना की नौकरी करने के साथ-साथ कई धंधे भी करते हैं। इनमें अफीम और हेरोइन की तस्करी, अवैध हथियारों का निर्माण और उनकी उग्रवादी संगठनों को तस्करी जैसे काली कमाई के स्रोत हैं। दशकों से यह सिलसिला चल रहा है। इसलिए पाकिस्तान की ओर से कार्रवाई तो होती है, लेकिन वह सिर्फ दिखावे के लिए होती है। उसका कभी परिणाम देखने को नहीं मिला।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान सरकार के साथ भी पाकिस्तान के रिश्ते बिगड़े हुए हैं। अफगानिस्तान अपनी सीमा पर अशांति और तनाव के लिए भी लगातार पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। पाकिस्तान के अनेक नागरिक और सैनिक अफगानी सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए हैं। इसके पीछे भी अफीम और उसके सह उत्पादों की तस्करी है। पाक सेना इसमें शामिल है क्योंकि अफगानिस्तान अफीम के अवैध उत्पादन के लिए कुख्यात है। तीन महीने पहले अफगानिस्तानी सुरक्षा बलों और पाकिस्तानी रेंजरों के बीच भीषण गोलीबारी हुई थी। इसके बाद तोरखम सीमा को एकदम सील कर दिया गया है।

भारत के साथ पाकिस्तान के बिगड़े संबंध तो जगजाहिर हैं। आम तौर पर कहीं भी कार्यवाहक प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति कोई नीति विषयक बयान या निर्णय करता क्योंकि वह निर्वाचित नहीं होता। पाकिस्तानी संसद के चुनाव होने वाले हैं। इसलिए वहां के संविधान के मुताबिक एक कामचलाऊ प्रधानमंत्री चुनाव तक मुल्क का बोझ खींचता है। हाल ही में वहां के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर ने अपने कब्जे वाले कश्मीर की विधानसभा में भारत के बारे में ऊटपटांग बातें कहीं। साफ है कि पाकिस्तान अपने सारे पड़ोसियों को नाराज कर चुका है। हम चीन को उसका पड़ोसी इसलिए नहीं मान सकते क्योंकि उसकी जो सीमा चीन से लगती है, वह भारतीय क्षेत्र है और पाकिस्तान उस पर जबरन कब्जा करके बैठा है।

आज का इतिहास

1922 इंपीरियल जापानी नौसेना ने होशो का गठन किया, जो दुनिया का सबसे पहला उद्देश्य निर्मित विमान वाहक है।
1939 तुर्की में भूकंप से लगभग चालीस हजार लोगों की मौत हुई।
1945 29 सदस्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना हुई। इस संस्था का उद्देश्य विदेशी मुद्रा के मूल्यों को स्थिर रखना, वाणिज्य विकास और प्रगति को सुचारू बनाना आदि है।
1966 द वॉल ऑफ़ स्वैलोज़, जो कि दवर्ल्ड की सबसे बड़ी ज्ञात गुफा शाफ्ट है, की खोज एक्विस्मोन, सैन लुइस पोटोसी, मैक्सिको में की गई थी।
1966 दुनिया की सबसे लंबी गुफा %केव ऑफ स्वैलोज़% की खोज एक्विसमोन, मैक्सिको में की गई।
1979 अफगानिस्तान में सोवियत युद्ध-सोवियत सैनिकों ने ताजबेग पैलेसआउटसाइड काबुल पर धावा बोल दिया और अफगान राष्ट्रपति हाफिजुल्ला अमीन और उनके 100-150 कुलीन गार्डों को मार डाला।
1997 निष्ठावान स्वयंसेवी बल के नेता बिली राइट को आयरिश नेशनल लिबरेशन आर्मी के सदस्यों द्वारा भूलभुलैया जेल की हत्या कर दी गई थी।
2000 आस्ट्रेलिया में विवाह पूर्व संबंधों को क़ानूनी मान्यता।
2007 पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की रावलपिंडी में हत्या कर दी गई।
2008 फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों के रॉकेट हमलों के जवाब में, इज़राइल ने गाजा पट्टी के खिलाफ एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसने तीन सप्ताह का गाजा युद्ध खोला।
2009 हाल ही में राष्ट्रपति पद के खिलाफ तेहरान में विरोध प्रदर्शन के दौरान, ईरानी सुरक्षा बलों ने आशूरा के दिन प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं।
2010 बोलीविया के राष्ट्रपति अलवारो गार्सिया लिनेरा ने पेट्रोल की कीमत में 83% की वृद्धि और डीजल ईंधन की कीमत में 73% की वृद्धि की घोषणा के बाद बस चालकों को हड़ताल करने का संकेत दिया।

राजस्थान कांग्रेस में समाप्त हुआ गहलोत पायलट युग

रमेश सर्राफ धमोरा

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दोनों ही नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान की राजनीति से बाहर भेज दिया है। अब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में नए लोगों को आगे लाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। पिछले लंबे समय से राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही घूम रही थी। दोनों नेताओं में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान में कांग्रेस को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। दोनों की अवादत के चलते ही राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से भी बाहर हो चुकी है।

2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे। दोनों नेताओं की खींचतान के चलते स्थिति यहां तक खराब हो गई थी कि 2020 में सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर अपने समर्थक विधायकों को लेकर गुड़गांव चले गए थे।

उस समय सरकार बचाने के लिए अशोक गहलोत को विधायकों की होटलों में बाड़ेबंदी करनी पड़ी थी। करीबन दो महीने तक चली आपसी खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान के प्रयासों से कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच शांति स्थापित हो पायी थी। मगर सचिन पायलट को बगावत के चलते उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद गंवाना पड़ा था। वही उनके समर्थक कई मंत्रियों को भी पदो से हटा दिया गया था। उस समय पायलट के पास विधायकों की संख्या कम रह गई थी। क्योंकि पायलट द्वारा की जा रही बगावत की जानकारी उनके ही कुछ विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दे दी थी। मुख्यमंत्री गहलोत ने समय रहते पायलट गुट के कई विधायकों को अपने पाले में लाकर पायलट को राजनीतिक दृष्टि से कमजोर बना दिया था।

आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद पायलट समर्थक कुछ विधायकों को गहलोत सरकार में फिर से मंत्री बनाया गया था। मगर पायलट को कोई भी पद नहीं दिया गया था। पायलट की बगावत से लेकर विधानसभा चुनाव तक गहलोत व पायलट द्वारा लगातार एक दूसरे के खिलाफ बयान बाजी की जाती रही थी। 2022 को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के

लिए 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाया था। जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे व अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था।

मगर अशोक गहलोत गुट के शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेंद्र राठौर ने विधायक दल की बैठक ही नहीं होने दी। धारीवाल ने अपने आवास पर विधायकों की समानान्तर बैठक आयोजित कर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आहूत विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवा दिया था। जिस कारण से सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने से रह गए थे। उसी दौरान सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी नामित किया था। मगर गहलोत ने मुख्यमंत्री पद जाने के डर से अध्यक्ष बनने से भी इंकार कर दिया था।

गहलोत व पायलट की आपसी लड़ाई में राजस्थान कांग्रेस को जितना नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई होना मुश्किल लगता है। दोनों ही नेताओं को प्रदेश की राजनीति से बाहर भेज दिया गया है। अशोक गहलोत को नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जो लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न दलों से गठबंधन पर चर्चा करेगी। इस पांच सदस्यों वाली समिति का संयोजक पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक को बनाया गया है। जबकि समिति में अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद व मोहन प्रकाश को सदस्य बनाया गया है। नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनने के कारण अशोक गहलोत राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्त हो जाएंगे और उनके पास प्रदेश की राजनीति के लिए समय नहीं बचेगा।

इसी तरह सचिन पायलट को कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव बनाकर छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अब तक की सबसे करारी हार झेलनी पड़ी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद गंवाना पड़ा है। वैसे भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास लोकसभा के मात्र दो ही सदस्य है। ऐसे में प्रदेश प्रभारी के नाते सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ में कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ के प्रभारी बनने के बाद सचिन पायलट का भी राजस्थान की राजनीति से जुड़ाव काम हो जाएगा। उनका ज्यादा समय राजस्थान के बाहर ही बीतेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी को पदमुक्त कर दिया है। बायतु क्षेत्र से मात्र 910 वोटो से जीते हरीश चौधरी गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व सांसद भी रह चुके हैं। ऐसे में चर्चा है कि हरीश चौधरी को प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अभी जाट समाज से गोविंद सिंह डोटासरा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष है। जिनका हटना तय माना जा रहा है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित 69 विधायकों में सबसे अधिक संख्या जाट, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विधायकों की है।

इसको देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद पर हरीश चौधरी व विधायक दल के नेता के पद पर आदिवासी समुदाय के महेंद्रजीत सिंह मालवी की नियुक्ति हो सकती है। महेंद्रजीत मालवीय अभी कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य है तथा लगातार विधायक का चुनाव जीत रहे हैं। गहलोत सरकार में भी वह कैबिनेट मंत्री थे। उनकी आदिवासी क्षेत्र में अच्छी पकड़ मानी जाती है। राजस्थान में अलवर से सांसद रहे भंवर जितेंद्र सिंह को भी कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव पद पर बरकरार रखा गया है।

अगले 6 महीने बाद लोकसभा के चुनाव होने हैं। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी 25 सीटे जीत रही है। इस बार भी भाजपा के नेता प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कितनी सफलता प्राप्त कर पाती है इसका पता तो आने वाले चुनाव के बाद ही चल पाएगा।

मगर कांग्रेस का जो भी नया प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल का नेता बनेगा उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस को फिर से एकजुट कर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने की रहेगी। जिसमें वो कितने सफल होंगे इसका पता तो बाद में ही लगेगा। फिलहाल तो यह देखना है कि कांग्रेस आलाकमान राजस्थान में चल रहे गहलोत पायलट गुट को कमजोर कर निर्विवाद छवि वाले नेताओं को कितना आगे बढ़ा पाता है इसका सभी को इंतजार हैं।

देश हित को प्राथमिकता दे रहे मतदाता

पीएस वोहरा

इन दिनों प्रत्येक भारतीय हर चुनाव में खुलकर भागीदारी कर रहा है तथा अपने मुल्क के लिए हर सूबे में एक बड़े बहुमत के साथ सरकार चुन रहा है। अब वह चुनावों के आर्थिक बोझ को अपने आर्थिक विकास में एक बहुत बड़ी बाधा मानता है, इसी कारण खंडित जनादेश भारतीय लोकतंत्र से लगभग खत्म होता जा रहा है। वह अब आर्थिक विकास के नकली दंभ को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहता। कारण एक ही है कि 75 वर्ष के इस आजाद मुल्क की तकरीबन तीन पीढ़ियों का आर्थिक संघर्ष उसके जीवन में आज भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जिस पर हमें गर्व है, पर यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चुनावों के दौरान प्रत्येक मतदाता पर आने वाली लागत उसके प्रतिदिन के आर्थिक जीवन स्तर की लागत से तुलनात्मक रूप से दोगुनी रहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रति मतदाता लागत तकरीबन आठ डॉलर थी, जबकि उस चुनाव से चार वर्ष बाद भी देश में प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन के हिसाब से करीब तीन डॉलर या मात्र 250 रुपये के लगभग ही थी। यह आंकड़ा इस बात को स्पष्ट करता है कि भारतीय चुनाव बहुत महंगे होते जा रहे हैं और इनकी आर्थिक लागत अंततः वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते आम नागरिक के विकास में बाधा के रूप में सामने आती है। अब समय आ गया है, जब इस बात पर भी गौर किया जाए कि यदि पिछले 75 वर्षों में एक आम भारतीय का जीवन आर्थिक रूप से बहुत अधिक समृद्ध नहीं हुआ है, तो इस संदर्भ में कुछ समस्याओं का जिक्र अमूमन होता है, मसलन, जनसंख्या में बढ़ोतरी, लगातार बेरोजगारी, बढ़ी हुई महंगाई, कृषि क्षेत्र पर अधिक निर्भरता व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी। पर अब, इन सब में देश के विभिन्न चुनावी खर्चों को भी क्यों न शामिल किया जाए? देश के पहले आम चुनाव में प्रति मतदाता चुनाव लागत 60 पैसे थी, जो वर्ष 2004 में 17 रुपये हो गई। यह लागत वर्ष 1985 तक दो रुपये प्रति मतदाता रही। यहां यह जिक्र करना भी आवश्यक है कि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव के दौरान देश में कुल मतदाताओं की संख्या तकरीबन 17 करोड़ के आसपास थी, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर करीब 90 करोड़ हो गई। यानी आजादी के बाद से पिछले 17 आम चुनावों में मतदाताओं की संख्या पांच गुना से अधिक बढ़ी है, जबकि उन पर आने वाली चुनावी लागत उससे बहुत अधिक रही। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, 2019 में हुए चुनाव पर कुल 55,000 करोड़ रुपये का खर्च आया था, जबकि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव में यह लागत करीब 11 करोड़ थी। हैरानी की बात यह भी है कि 2019 का आम चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की लागत से भी ज्यादा महंगा था। बीते दिनों जब पांच राज्यों के चुनावों का परिणाम आया, तो यह बात एक बार फिर से देखने को मिली कि किसी भी राज्य में खंडित जनादेश नहीं था। दूसरी बात यह कि आम आदमी के विकास के संबंध में बनाई गई योजनाओं को, जिन्हें चाहे लोक-लुभावन योजनाएं या रेवड़िया बांटने जैसे मुहावरों से जोड़ा जाए, जनता का समर्थन मिला, तो इसका मतलब है कि आम व्यक्ति बुनियादी ढांचे के विकास के इतर भी अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ सुविधाएं चाहता है। चुनाव में मतदाता आर्थिक सोच से ही प्रभावित होता है, न कि किसी अन्य उद्देश्य या नैरेटिव से। इसमें भी दो राय नहीं है कि आर्थिक रूप से सजग रहने के बावजूद एक आम मतदाता चुनावों में हर बार धोखा खाता है। ऐसा न हो कि लगातार बढ़ रही जीडीपी को आम व्यक्ति अपने आर्थिक विकास का मुख्य आधार मानने लगे और अमीरी-गरीबों के बीच खाई लगातार बढ़ती चली जाए। यह बात और अधिक दर्द देती है, जब पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के लिए हम 2047 तक की समय सीमा निश्चित करते हैं और यह सपना देखते हैं कि आजादी के सौवें वर्ष में तो हम विकसित मुल्क बन जाएंगे। आम मतदाता को भी अपने आर्थिक अधिकारों के लिए अधिक सजग रहना होगा, जैसे वह चुनावों के आर्थिक बोझ को समझने लगा है, जिसके चलते वह अपनी व्यक्तिगत पसंद को दरकिनार करके देश हित को प्राथमिकता दे रहा है।

पाकिस्तान के चुनाव में दिग्गजों पर भारी पसोपेश

शोभना जैन

पाकिस्तान में आगामी आठ फरवरी को सेना की कड़ी निगरानी में होने वाले आम चुनाव कितने निष्पक्ष और स्वतंत्र होंगे, यह तो एक यक्ष प्रश्न है ही, बड़ा सवाल यह भी है कि चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री व ताकतवर उम्मीदवार नवाज शरीफ की हिस्सेदारी को लेकर फिलहाल क्या स्थिति है? दूसरी तरफ विशेष तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ निरंतर कड़े होते सरकार बनाम सेना के शिकंजे की वजह से उनकी चुनाव में हिस्सेदारी को लेकर जिस तरह से अनिश्चितता बढ़ती जा रही है तो क्या चुनाव में उनके साथ ही उनके दल पीटीआई की हिस्सेदारी पर भी काफी अंकुश लगेगा? नवाज के बारे में कहा जा रहा है कि सेना के साथ सांठगांठ से हुए समझौते के तहत उन्हें लंदन से पाकिस्तान लाया गया। हालांकि इस नाते उनकी चुनाव में हिस्सेदारी को लेकर ज्यादा अनिश्चितता नहीं मानी जानी चाहिए लेकिन अगले माह सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी 'अयोग्यता की सजा की समयावधि' के बारे मे फैसला होने तक उनकी हिस्सेदारी को लेकर कुछ अनिश्चितता तो रहेगी ही। अहम बात यह है कि इस दौरान उनकी पार्टी पीएमएल (एन) के सेना और सेना के 'अपने साथ खड़े किए गए छोटे दलों' के साथ टिकट बंटवारे को लेकर तालमेल कैसा रहता है। फिलहाल तो ये तमाम सवाल हैं कि वे इन स्थितियों में सत्ता की दिशा में अपनी राह कैसे बनाएंगे। गत सप्ताहांत सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के चर्चित फैसलों के बाद पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की चुनावों में हिस्सेदारी को लेकर बड़े सवाल उठ खड़े हुए हैं। उनकी पार्टी पीटीआई को उम्मीद थी कि इमरान खान जेल में होने के बावजूद चुनाव लड़ पाएंगे। शुक्रवार को साइफर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को जमानत दे दी, लेकिन इमरान के खिलाफ कुछ और मामले कोर्ट में होने के कारण वो रिहा नहीं हो पाएंगे। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पीटीआई के संगठनात्मक चुनाव और 8 फरवरी को होने वाले चुनावों में पीटीआई के चुनाव चिह्न 'क्रिकेट के बल्ले' के इस्तेमाल की याचिका को खारिज कर दिया है। निश्चय ही पार्टी के लिए यह बड़ा झटका है। इससे इमरान और उनकी पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अदालत के आदेश से अब इमरान खान के चुनाव में उतरने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के कानून के तहत जेल में कैद राजनेता तब तक ही चुनाव लड़ सकते हैं जब तक वो किसी अपराध के दोषी न करार दिए गए हों। इमरान खान को ट्रायल कोर्ट ने 5 अगस्त को तोशाखाना मामले में दोषी करार दिया था। उन्हें तीन साल कैद की सजा दी गई है। इसी के नतीजे में संसद की उनकी सदस्यता खत्म हो गई है।

भारत के प्रति विश्वास और प्रभाव का नया दौर

लॉर्ड मेघनाद देसाई

व्यापक संभावना और भविष्य में अवसरों का अंबार। भारत के संदर्भ में यह मेरा आकलन है। सवाल है कि मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? दरअसल मैंने अपनी जिंदगी के ज्यादा हिस्से विदेशों, खासतौर पर लंदन में बिताए हैं। विश्वास मानिए, इससे पहले मैंने दुनिया के देशों में भारत के प्रति इतना विश्वास, भरोसा और इतनी प्रतिष्ठा कभी नहीं देखी। एक पंक्ति में कहूं, तो बीते करीब एक दशक में देश के विकास की ठोस नींव पड़ी है। अब इस नींव पर ठोस इमारत के निर्माण की प्रतीक्षा है।

यह बदलाव बीते करीब एक दशक में दिखा है। देश में विकास दिख रहा है। तकनीकी के बेहतर इस्तेमाल, डिजिटल क्रांति के जरिये भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ी जा रही है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार मोदी सरकार ने गरीब कल्याण योजनाओं को सही अर्थों में योग्य लाभार्थियों तक पहुंचाया है। इस दौरान अहम नीतिगत बदलावों के कारण देश में लालफीताशाही कम हुई है। गरीबी, भ्रष्टाचार में कमी आने के साथ देश में मध्य वर्ग का तेजी से विस्तार हो रहा है। जरूरी नीतिगत बदलावों सहित कई अहम सुधारों के कारण निवेश के मामले में दुनिया का भारत पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है। विदेशी निवेश के लिए निवेशक स्थायित्व और उलझावपूर्ण प्रक्रियाओं से मुक्ति चाहते हैं। ये सारी शर्तें बीते एक दशक में तेजी से पूरी हो रही हैं।

आप भारत में ही नहीं, दुनिया के दूसरे देशों में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को आंक सकते हैं। विविधताओं से भरा बड़ा देश होने के कारण भारत में मुद्दों की भरमार है। मणिपुर, सांसदों के निलंबन सहित कई घटनाओं के कारण दुनिया की निगाहें भारत की ओर इस

दृष्टि से भी घूमती हैं, मगर दूसरा पक्ष यह है कि प्रधानमंत्री मोदी पर मतदाताओं का भरोसा बदस्तूर कायम है। यह भरोसा कई कारणों से है। मोदी सरकार राष्ट्रवादी सोच वाले मतदाताओं के साथ-साथ दशकों तक विकास के हाशिये पर रहे वर्ग का भी भरोसा बनाए रखने में सफल रही है। मुझे नहीं लगता कि आने वाले आम चुनाव में कांग्रेस या उसकी अगुवाई में बना गठबंधन उनके लिए कोई चुनौती पेश कर पाएगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद कांग्रेस का जोश चला गया है और उसके सहयोगी दलों में भी कोई ऐसा नेता नहीं है, जो मोदी को दूर-दूर तक चुनौती देने की स्थिति में हो। फिर बात भाजपा के प्रबंधन की भी है। पार्टी पूरी तरह से अनुशासित है और कार्यकर्ता मोदी के व्यक्तित्व के प्रति पूरी तरह से वशीभूत हैं।

साल 2014 में केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही भारत के राजनीतिक हलके में मोदी सरकार के संदर्भ में भारत के दूसरे देशों से रिश्तों पर लगातार कयासबाजी हुई है। कूटनीति के क्षेत्र में भी भारत बेहतरीन संतुलन बनाने में कामयाब हुआ है। उदाहरण अरब देशों के साथ ही अमेरिका और पश्चिम देशों से भारत के वर्तमान रिश्ते हैं। हमारे सामने रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ इस्राइल-फलस्तीन तनाव में भारत की भूमिका का उदाहरण है। विदेश नीति में भारत अपनी जरूरतों को पहली बार डंके की चोट पर वरीयता दे रहा है। भारत की ओर से वैश्विक मुद्दों पर मजबूती से अपना पक्ष रखने और उस पर आगे बढ़ने के बावजूद न तो पश्चिमी देशों से उसके रिश्ते खराब हो रहे हैं और न ही इस्लामी देशों की रीति-नीति तय करने वाले अरब देशों से। बेहतरीन कूटनीतिक रणनीति मोदी सरकार के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद कश्मीर मामले में भी दिखी। सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म कर दिया। राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया। बावजूद इसके इस फैसले के कारण अरब देशों से भारत के रिश्ते प्रभावित नहीं हुए। उल्टे कुछ अरब देशों ने कश्मीर में निवेश का फैसला लिया।

अब बदली परिस्थितियों में एक तबके को लगता है कि कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने वाले निज्जर की हत्या और अमेरिका में इसी आंदोलन से जुड़े भारत द्वारा आतंकी घोषित किए गए पन्नू की हत्या की साजिश का मामला सामने आने के बाद भारत के पश्चिमी देशों से रिश्ते प्रभावित होंगे। हालांकि मुझे लगता है कि ऐसा कुछ नहीं होने वाला। कनाडा की गंभीर आपत्तियों को उसकी अपेक्षा के अनुरूप बल नहीं मिल रहा, जबकि पन्नू मामले में भारत और अमेरिका, दोनों द्विपक्षीय रिश्तें में आंच नहीं आने देने के लिए सतर्क नजर आ रहे हैं। हां, एक नया सवाल देश में लोकतंत्र के कथित तौर पर कमजोर होने का है। यहां समस्या दूसरी है। भारत की बहुसंख्यक आबादी ने होश संभालने के बाद ढाई दशक तक लचीला रुख अपनाने वाली गठबंधन की सरकारों का दौर देखा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत में बहुमत की सरकारें इसी अंदाज से चलती हैं। मसलन, प्रचंड बहुमत वाली इंदिरा सरकार के दौरान आपातकाल जैसी घटना हुई।

मोदी को चुनौती कहां है 2024 में?

अजय सेतिया

2014 में नरेंद्र मोदी के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने अब कांग्रेस का चुनावी रणनीतिकार बनने की पेशकश की है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की है कि 2024 में नरेंद्र मोदी के रास्ते में कोई रुकावट नहीं है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी, स्टालिन और केजरीवाल के भी चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर 2017 में पंजाब और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के भी रणनीतिकार रहे थे। पंजाब में तो कांग्रेस जीत गई थी, लेकिन उत्तर प्रदेश में खाट पर चर्चा पूरी तरह विफल हो गई थी। कांग्रेस के साथ काम करने का प्रशांत किशोर का अनुभव अच्छा नहीं रहा। 2018 में उन्होंने जेडीयू की सदस्यता ले ली थी, लेकिन नीतीश कुमार के साथ भी उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा। इसलिए सवा दो साल बाद जनवरी 2021 में उन्होंने जेडीयू से इस्तीफा दे दिया था। जेडीयू छोड़ने के बाद वह अपनी शर्तों पर कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे, उनकी लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन कांग्रेस उनकी शर्तें मानने को तैयार नहीं हुई। वह एक अच्छे चुनाव रणनीतिकार हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह के सामने चारों खाने चित हुए थे, जब भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर के सरकार बना ली थी, और कांग्रेस प्रमुख विपक्षी पार्टी भी नहीं बन सकी थी।

हाल ही के इंडिया टूडे के ओपिनियन पोल में भी भाजपा को 2024 में स्पष्ट बहुमत मिलने की भविष्यवाणी की गई है। प्रशांत किशोर का चुनावी आकलन इसलिए मायने रखता है, क्योंकि जब अमित शाह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 200 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, ज्यादातर चुनावी सर्वेक्षण भी भाजपा की जीत या जीत के नजदीक पहुंचने का दावा कर रहे थे, तब प्रशांत किशोर ने भाजपा को सौ से कम सीटें मिलने का दावा किया था। प्रशांत किशोर ममता बनर्जी के चुनाव रणनीतिकार थे और उनकी भविष्यवाणी के अनुसार भाजपा 77 सीटों पर निपट गई थी। अब जब नीतीश कुमार दावा कर रहे हैं कि अगर भाजपा के सामने विपक्ष का एक उम्मीदवार हुआ, तो भाजपा को सौ से कम सीटों पर निपटा देंगे, तब प्रशांत किशोर ने कहा है कि 2024 में मोदी के सामने कोई चुनौती नहीं है।

उनकी इस भविष्यवाणी का आधार यह है कि उत्तर भारत और पश्चिम भारत में एक दो राज्य को छोड़ कर भाजपा का कांग्रेस से ही सीधा मुकाबला है, इसलिए इन दोनों क्षेत्रों के 13 राज्यों यूपी, उत्तराखंड ,हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गोवा के साथ केंद्र शासित चंडीगढ़ में से उसे कहीं चुनौती है तो सिर्फ महाराष्ट्र में है। इन 13 राज्यों और चंडीगढ़ में पिछली बार भाजपा को 267 लोकसभा सीटों में से 207 सीटें मिलीं थीं। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव नतीजों ने इन तीनों राज्यों की 65 सीटों में कम से कम 62 सीटों की यथास्थिति पर मोहर लगाई है। भाजपा को गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल में भी कोई चुनौती नहीं है। पंजाब और जम्मू कश्मीर की 19 सीटों में से उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं थीं, उतनी ही दुबारा मिलने में कोई मुश्किल नहीं आएगी।

महाराष्ट्र की 48 सीटों में से भाजपा को संयुक्त शिवसेना के साथ गठबंधन के चलते 24 सीटें मिलीं थीं। भाजपा के सहयोगी शिवसेना को भी 18 सीटें मिलीं थी। जबकि मिलकर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को सिर्फ एक और एनसीपी को चार सीटें ही मिलीं थीं। इस बार शिवसेना टूट चुकी है, शिवसेना का एक हिस्सा भाजपा

के साथ है। उधर एनसीपी भी टूट चुकी है, आधी एनसीपी भी भाजपा के साथ है। ऐसा माना जाता था कि भले ही ज्यादातर विधायक और सांसद उद्धव ठाकरे को छोड़कर एकनाथ शिंदे के माध्यम से भाजपा के साथ चले गए होंगे, जमीन पर उद्धव ठाकरे का आधार बना हुआ है। लेकिन हाल ही में हुए ग्राम पंचायत चुनावों ने यह धारणा खत्म कर दी है। भाजपा और उसके दोनों सहयोगी दलों यानी एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी ने कांग्रेस, उद्धव और शरद पवार को पीछे छोड़ दिया। भाजपा की महायुती को 1400 से ज्यादा सीटें मिलीं, जबकि महा विकास अघाड़ी 1312 सीटों पर अटक गई।

इसका मतलब यह है कि लोकसभा चुनावों में एनडीए अपनी पुरानी सीटें बरकरार रख सकता है। दूसरा खतरा उत्तर प्रदेश में बताया जा रहा है, लेकिन जिस तरह भाजपा छोटी जातियों की छोटी पार्टियों को अपने साथ जोड़ने में कामयाब हुई है, उससे उसे एनडीए की 65 सीटें बरकरार रखने में कोई मुश्किल नहीं आएगी, हालांकि भाजपा का टारगेट 2014 जैसी जीत हासिल करना है, जब उसे अपना दल के साथ मिल कर 73 सीटें मिली थीं। इंडी गठबंधन के बावजूद उत्तर भारत और पश्चिम भारत की 207 सीटें जीतने में भाजपा को कोई बड़ी अड़चन नहीं आएगी। जहां तक दक्षिण के पांच राज्यों का सवाल है तो आंध्र, तमिलनाडु और केरल में भाजपा का एक भी सांसद नहीं है। कर्नाटक से 25 और तेलंगाना से चार सांसद हैं। भाजपा को इन पाँचों राज्यों की 129 सीटों में से अपनी 29 सीटें बचानी हैं।

दक्षिण में समीकरण बड़ी तेजी से बदल रहे हैं, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक भले ही भाजपा को छोड़ गई है, लेकिन चुनावों के बाद उसके पास भाजपा के साथ आने के सिवा कोई विकल्प नहीं होगा। द्रमुक सरकार के मंत्रियों की जिस तरह भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तारियां हो रही हैं, उससे द्रमुक की साख गिरी है। इसलिए द्रमुक गठबंधन के लिए 38 में से 37 सीटें बरकरार रखना असंभव होगा। जिन सीटों पर कांग्रेस के 8 उम्मीदवार जीते थे, उन सभी सीटों पर भाजपा वोटरों को राष्ट्रीय विकल्प देने की कोशिश में जुटी है। जुझारू नेता और पूर्व आईपीएस अन्नामलाई के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा तमिलनाडु में राष्ट्रीय पार्टी के रूप में कांग्रेस के विकल्प के रूप में उभर रही है। कर्नाटक में जेडीएस के एनडीए में आने के बाद एनडीए के लिए अपनी पुरानी 25 सीटें बचाना मुश्किल नहीं होगा, हालांकि इस बार वह अपनी जीती हुई 25 सीटों में से 24 सीटें ही लड़ेगी। बाकी चार सीटें वह जेडीएस के लिए छोड़ देगी। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा को लोकसभा चुनावों के बाद नया सहयोगी मिल सकता है। चुनावों के दौरान भी अंदरखाते आपसी समझ बन सकती है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में भी तेलुगु देशम के साथ फिर से गठबंधन के आसार बन रहे हैं। अब रही बाद पूर्व और पूर्वोतर की। इनमें चार राज्य भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र की कुल 142 सीटों में से 68 भाजपा के पास हैं, जिनमें से 18 पश्चिम बंगाल, 1। बिहार, 11 झारखंड और 9 असम की सीटें है। ये चारों वे राज्य हैं, जहां इंडी एलायंस का सर्वाधिक प्रभाव हो सकता है। बंगाल में अगर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और चारों वामपंथी दल मिल कर चुनाव लड़ें, तो भाजपा के लिए अपनी 18 सीटें बचाना मुश्किल हो सकता है। इसी तरह बिहार में राजद, जदयू, कांग्रेस और सभी वामपंथी पार्टियां मिल कर चुनाव लड़ती हैं, तो 17 सीटें बचाना भाजपा के लिए मुश्किल हो सकता है। लेकिन भाजपा ने उत्तर प्रदेश की तरह बिहार में जातीय समीकरण इस तरह से बना लिए हैं कि वह अपना पुराना आंकड़ा बरकरार रख सकती है। झारखंड में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राजद और कम्युनिस्ट पार्टियां पिछली बार भी मिल कर चुनाव लड़ीं थी, इसके बावजूद भाजपा 14 में से 11 सीटें जीतीं थीं, इस बार यह आंकड़ा बढ़ तो सकता है, घट नहीं सकता। जहां तक असम का सवाल है, तो वहां भी इंडी एलायंस के बाकी दलों का कोई प्रभाव नहीं, सिर्फ कांग्रेस ही मायने रखती है। इसलिए असम में भी भाजपा को 14 में से 9 सीटें बरकरार रखना मुश्किल नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने भाजपा हाईकमान को 12 सीटें जीत कर देने का वादा किया है। उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी पिछली बार 21 में से 8 सीटें ही जीत पाई थी, कांग्रेस को सिर्फ एक और बीजू जनता दल को 12 सीटें मिलीं थी। बीजू जनता दल इस बार भी कांग्रेस के साथ नहीं जा रहा। नवीन पटनायक को इंडी गठबंधन में शामिल करवाने की नीतीश कुमार की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं। अगर बीजू जनता दल भी इंडी एलायंस में शामिल हो जाता, तो उड़ीसा में आठ सीटें बचाना भाजपा के लिए मुश्किल हो सकता था। इसलिए 2024 की तस्वीर बिलकुल साफ़ है। जैसा कि प्रशांत किशोर कह रहे हैं, मोदी को 2024 में कोई खतरा नहीं है।

जनवरी 2024 में आने वाले हैं ये बड़े व्रत और त्योहार

अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 01 जनवरी से नए साल 2024 की शुरुआत हो रही है। नए साल का पहला महीना जनवरी बेहद ही खास माना जाता है। जनवरी में कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं। हर साल की तरह इस साल भी जनवरी में लोहड़ी, मकर संक्रांति से लेकर सकट चौथ तक कई व्रत और त्योहार पड़ रहे हैं। साथ ही इस महीने कई ग्रहों की चाल भी बदलने वाली है।

जनवरी में आने वाले व्रत और त्योहार की पूरी लिस्ट

3 जनवरी, बुधवार- मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
4 जनवरी, गुरुवार- कालाष्टमी
7 जनवरी, रविवार- सफला एकादशी
9 जनवरी, मंगलवार- मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत (कृष्ण)
11 जनवरी, गुरुवार- पौष अमावस्या
13 जनवरी, शनिवार- लोहड़ी
14 जनवरी, रविवार- विनायक चतुर्थी
15 जनवरी, सोमवार- पोंगल, उत्तरायण, मकर संक्रांति, खिचड़ी
16 जनवरी, मंगलवार- माघ बिहु
17 जनवरी, बुधवार- गुरु गोबिंद सिंह जयंती
18 जनवरी, गुरुवार- मासिक दुर्गाष्टमी
21 जनवरी, रविवार - पौष पुत्रदा एकादशी
23 जनवरी, मंगलवार- प्रदोष व्रत (शुक्ल)
25 जनवरी, गुरुवार- पौष पूर्णिमा व्रत
26 जनवरी, शुक्रवार- गणतंत्र दिवस, माघ प्रारंभ
29 जनवरी, सोमवार- संकष्टी चतुर्थी, सकट चौथ

जनवरी 2024 ग्रह गोचर

ग्रहों के राजकुमार बुध 2 जनवरी 2024 को वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 15 जनवरी 2024 को सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे, इसलिए इस दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। वहीं शुक्र देव भी 18 जनवरी 2024 को वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में प्रवेश कर जाएंगे।

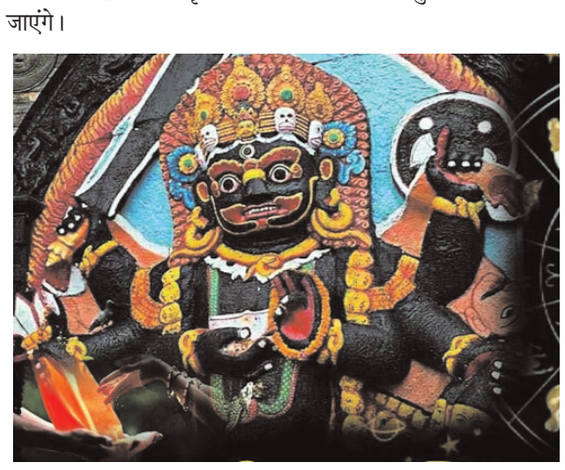

कौन थीं श्री राम की बड़ी बहन? क्यों नहीं मिलता इनका रामायण में उल्लेख

भगवान राम के गुणों की जितनी व्याख्या की जाए कम है। रामायण में उनके सभी संघर्षों का उल्लेख किया गया है। साथ ही कैसे 14 वर्ष का वनवास मिलने के बाद उनके जीवन में बदलाव आया, इन सभी घटनाओं को दर्शाया गया है। वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में सभी घटनाओं का भलिभांति जिक्र किया गया है। लेकिन अन्य वेद और ग्रंथों में कई ऐसी घटनाओं का जिक्र है जिसका वर्णन बहुत कम जगह देखने को मिलता है। कथा के अनुसार, राजा दशरथ की तीन रानियां थीं, पहली कौशल्या, दूसरी सुमित्रा और तीसरी कैकेयी। रानी कौशल्या के पुत्र राम थे, सुमित्रा के लक्ष्मण और शत्रुघ्न और कैकेयी के भरत थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कौशल्या ने एक पुत्री को भी जन्म दिया था, जो इन सब भाइयों में सबसे बड़ी थी। कथा के अनुसार वह कला तथा शिल्प में पारंगत थीं और अत्यधिक सुंदर कन्या थीं। उनका नाम शांता रखा गया। इनके नाम को लेकर कई कथाएं प्रचलित है। आइए उन सभी कहानियों के बारे में जानते हैं विस्तार से।

पहली कहानी

कहानी के अनुसार राजा दशरथ और रानी कौशल्या की सबसे पहली संतान एक बेटी थी। जब एक बार रानी कौशल्या की बहन वर्षिणी उनसे मिलने आई, तो उन्होंने बेटी शांता को गोद में लिया था। इस दौरान वर्षिणी ने हास्य में कहा कि शांता बहुत प्यारी है क्या वो उसे गोद ले लें। इस वाक्य को सुनकर राजा दशरथ ने बाद में उन्हें अपनी बेटी गोद देने का वचन दे दिया। चूंकि रघुकुल की रीत थी कि %प्राण जाए पर वचन ना जाए% तो राजा दशरथ ने अपनी बेटी को गोद दे दिया। बता दें वर्षिणी की कोई संतान नहीं थी।

दूसरी कहानी

शांता से जुड़ी कई कहानियों में से एक कहानी ये है कि राजा दशरथ के कोई पुत्र नहीं था। फिर श्रृंगी ऋषि ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया, तब जाकर उन्हें चार पुत्रों की प्राप्ति हुई थी। फिर भगवान श्रीराम की बड़ी बहन का विवाह ऋषि श्रृंग से हुआ था। वहीं ऐसा भी कहा जाता है कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में श्रृंगी ऋषि का मंदिर है जहां ऋषि श्रृंगी और राम की बहन शांता की पूजा की जाती है।

तीसरी कहानी

पौराणिक कथाओं में एक अन्य कथा भी सुनने को मिलती है जिसके अनुसार जब शांता पैदा हुई थी, तब अयोध्या में इतना भीषण अकाल पड़ा कि 12 साल तक धरती फल फूल नहीं सकी। इस बात को उठाते हुए किसी ने राजा दशरथ को कहा कि इस अकाल का कारण उनकी बेटी शांता है। उसे यहां से दूर भेज कर समस्या हल हो सकती है। इसलिए राजा दशरथ ने शांता को रानी कौशल्या की बहन को गोद दे दिया था।

ये पांच रेखाएं आपकी किस्मत बदलने को काफी हैं..

हाथ में कुछ रेखाएं ऐसी होती हैं जो जीवन में बदलाव लाने के लिए होनी चाहिए। हाथ में ऐसी पांच रेखाएं हैं जो व्यक्ति के जीवन को बदलने के लिए जरुरी हैं। इसमें से पहली रेखा है जीवन रेखा। यदि जीवन रेखा आखिर में दो हिस्सों में बंटकर फिर से नीचे की ओर आकर आपस मिल जाए तो यह जीवन में एकाएक भाग्योदय का संकेत है। यह रेखा मिलकर मछली का निशान बनाती है। ऐसे लोगों को नौकरी में ज्यादा फायदा मिलता है। बिजनेस में इन लोगों को फायदा थोड़ा कम और देरी से मिलता है। अमूमन 30 साल की उम्र के बाद ऐसे लोगों को मनवांछित सफलता मिलती है। दूसरी रेखा है सूर्य रेखा। यदि सूर्य रेखा मस्तिष्क रेखा तक पहुंचे तो बहुत शुभ है। यह स्थिति व्यक्ति को सरकारी नौकरी भी दिलाती है, लेकिन यदि सूर्य रेखा छोटी है तो फिर सफलता मिलने की उम्मीद भी कम रहेगी। यदि सूर्य रेखा पर आडी-तिरछी रेखाएं हैं तो यह व्यक्ति में असमंजस की स्थिति पैदा करती हैं। तीसरी रेखा है भाग्य रेखा। यदि भाग्य रेखा केतु पर्वत से निकलती है तो ऐसे लोग अपने काम में ज्यादा सफलता पाते हैं। लेकिन यदि भाग्य रेखा चंद्र पर्वत से निकलकर शनि पर्वत तक पहुंचे तो ऐसे लोगों का कॅरियर जन्म स्थान से बहुत दूर होता है। ऐसे लोग विदेश भी जाते हैं।

चौथी रेखा है मस्तिष्क रेखा। लंबी मस्तिष्क रेखा उच्च शिक्षा का संकेत देती है। ऐसे लोग अपने ज्ञान के दम पर जीवन में सफलता पाते हैं। पांचवी रेखा है जीवन रेखा से निकलने वाली रेखा और इसके मस्तिष्क एवं भाग्य रेखा के साथ मिलकर त्रिभुज का बनाना। यदि ऐसा है तो व्यक्ति के जीवन में धन की कमी नहीं रहती।

इन 5 चीजों को रखने से घर में आती है सुख-समृद्धि व बरकत

अक्सर आपने देखा होगा कि व्यक्ति लाख कोशिशों के बावजूद भी धन की बचत नहीं कर पाता है। खर्चों पर काबू करना मुश्किल हो जाता है। वास्तु शास्त्र में धन संचय व आर्थिक उन्नति के लिए कुछ उपाय बताए हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, घर में कुछ चीजों को रखने से आर्थिक परेशानियां दूर की जा सकती है। जानें धन लाभ के लिए वास्तु टिप्स-

1. छोटा नारियल- लघु नारियल को श्रीफल कहा जाता है। कहते हैं कि जिन घरों में श्रीफल रखा जाता है, वहां मां लक्ष्मी का वास होता है। आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं।

नए साल 2023 में इन राशि वालों की खुलेगी किस्मत, साल भर मां लक्ष्मी की रहेगी कृपा

2. धातु का कछुआ- अक्सर आपने लोगों के घरों में चांदी, पीतल या कांसे का कछुआ देखा होगा। कछुए को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। मान्यता है कि कछुआ रखने से पैसों से जुड़ी परेशानियां दूर होती हैं। ध्यान रहे कि कछुआ हमेशा उत्तर दिशा में ही रखें।

3. पिरामिड- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पिरामिड रखने से आर्थिक संपन्नता व बरकत होती है। कहते हैं कि जिन घरों में क्रिस्टल का पिरामिड होता है वहां आय में वृद्धि के साथ करियर में तरक्की भी मिलती है। पिरामिड हमेशा ऐस जगह ही रखें जहां लोगों का समय सबसे ज्यादा बीतता हो।

मकर राशि वालों का कब होगा भाग्योदय, जानें कैसा रहेगा साल 2023

4. गोमती चक्र- शास्त्रों में गोमती चक्र को बेहद शुभ माना गया है। मान्यता है कि गोमती चक्र को घर में रखने से सुख-शांति व समृद्धि आती है। कहते हैं कि 11 गोमती चक्र पीले कपड़े में लपेटकर तिजोरी में रखने से मां लक्ष्मी की कृपा होती है।

5. कमलगट्टे की माला- आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए कमलगट्टे की माला को शुभ माना गया है। मान्यता है कि कमलगट्टे की माला को रखने से धन प्राप्ति को मार्ग खुलते हैं। घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

ऑफिस हो या घर वास्तु के इन नियमों का रखें ख्याल

लैपटॉप पर काम करते हुए अपनी दिशा का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। सही दिशा में बैठकर लैपटॉप पर काम करने से आपके काम सकारात्मक असर पड़ता है। वास्तु के मुताबिक लैपटॉप पर काम करते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

आज के इस दौर में अधिकतर लोग अपना काम घर पर ही बैठकर करते है। लैपटॉप से ही उनके दिन भर के सारे काम होते हैं। ऐसे में दिनभर के कामों से उनके दिमाग में तनाव आ जाता है और मन की निगेटिविटी भी बढ़ जाती है। इसीलिए, लैपटॉप पर काम करते हुए अपनी दिशा का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। सही दिशा में बैठकर लैपटॉप पर काम करने से आपके काम पर ही नहीं बल्कि आसपास के माहौल पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

हांलाकि अधिकतर लोग इन बातों पर ध्यान नहीं देते हैं जबकि यह उनके लिए अधिक जरूरी होता है। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि लैपटॉप पर काम करने के दौरान किस दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए।

इस दिशा में रखें मुख

लैपटॉप पर काम करने के दौरान आपको इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि आप किस दिशा की ओर मुख करके लैपटॉप पर काम कर रहे हैं। वास्तु के मुताबिक लैपटॉप पर काम करते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। जिससे आपके काम करने की जगह पर सकारात्मकता आती है।

पूर्व दिशा की ओर मुख होने पर

लैपटॉप पर काम करते समय अपना मुख पूर्व दिशा की ओर रखते हैं, तो प्रयास करें आपका लैपटॉप थोड़ा सा दांई तरफ हो। ऐसा करने से लैपटॉप पूर्व दक्षिण दिशा में होगा, यह दिशा काम के लिए एकदम सही है। वहीं उत्तर दिशा की ओर मुख करके लैपटॉप पर काम करते हैं, तो ध्यान रखें कि लैपटॉप थोड़ा सा बांई ओर होनी चाहिए। टेबल को थोड़ा सा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रखना चाहिए।

लैपटॉप पर काम करते समय दिशाओं का ध्यान रखना चाहिए। लेकिन अगर आप काम के बीच में एक-दो घंटे का ब्रेक ले रहे हैं तो उस दौरान लैपटॉप को बंद कर देना चाहिए। अधिकतर कुछ लोग अपने लैपटॉप को ऑन ही छोड़ देते हैं। ऐसे करना नकारात्मक माना जाता है, और व्यक्ति सदैव तनाव में रहता है। लैपटॉप से निकल रहा इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन व्यक्ति के दिमाग व सिर पर गलत असर डालता है। इसीलिए आप भी लैपटॉप पर काम करते समय इन बातों का ध्यान रखें और साथ ही दिशाओं का भी ध्यान रखें जिसको करने से आपके काम पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

इन पांच लोगों के पास कभी नहीं ठहरता पैसा, जिंदगी भर रहते हैं परेशान

आचार्य चाणक्य एक महान विद्वान थे जिनकी गणना विश्व के श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती हैं। उनके द्वारा रचित चाणक्य नीति आज भी युवाओं का मार्गदर्शित करती हैं। उन्होंने जीवन से जुड़े सभी विषयों पर अपने विचारों को व्यक्त किया है। आचार्य चाणक्य की नीतियों में सुखी जीवन के रहस्य छिपे हैं। वहीं उज्ज्वल भविष्य के लिए आमतौर पर सभी पैसे जोड़ते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो लाख कोशिशों के बाद भी पैसा जमा करने में असमर्थ होते हैं। इसका कारण उनकी बुरी आदतें भी हो सकती है। चाणक्य नीति के अनुसार जिन लोगों की आदतें बेहद ही खराब होती हैं उन्हें भविष्य में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही ऐसे लोगों के हाथों में बिल्कुल भी पैसा नहीं टिकता है। उनके जीवन में हमेशा तंगी बनी ही रहती हैं। आइए जानते हैं इसके अलावा किन लोगों के पास धन नहीं ठहरता है।

देर तक सोने वाले लोग

चाणक्य के अनुसार जो लोग देर तक सोते हैं उन लोगों पर पैसा बिलकुल भी नहीं टिकता है। क्योंकि देर तक सोने वाले लोगों का अधिकांश समय सोने में जाता है। इसलिए उन्हें भविष्य में भी कई परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। साथ ही ऐसे लोगों से मां लक्ष्मी भी नाराज रहती है।

बुरी संगत वाले लोग

इंसान की संगत का असर उसके जीवन पर पड़ता है। गलत संगत के लोग गलत राह पर चलते हैं। चाणक्य के अनुसार जिन लोगों की संगत गलत होती है वह जीवन में गलत जगह फंस जाते हैं। साथ ही ये लोग पैसों को गलत जगह पर उपयोग करते है। इसलिए ऐसे लोगों पर पैसा कभी नहीं टिकता है।

महिलाओं का अपमान करने वाले लोग

चाणक्य के अनुसार जो लोग महिलाओं को अपमानित करते हैं उन लोगों पर कभी भी पैसा नहीं रुकता है। क्योंकि महिलाओं का अपमान करने से मां लक्ष्मी आपसे नाराज होती हैं और वह व्यक्ति कंगाल होने की राह पर आ सकता है। इसलिए भूलकर भी ऐसा न करें।

आलसी लोग

कुछ लोग बहुत आलसी होते हैं। इसका असर उनके जीवन पर भी पड़ता है। चाणक्य के अनुसार, जिन लोगों में आलस होता है वह कभी भी धन जमा नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलस के चलते धन लाभ के कई मौके भी गंवा देते हैं। जिससे उन्हें भविष्य में समस्याएं झेलनी पड़ती है।

तिरुपति बालाजी के इन रहस्यों के आगे फेल है विज्ञान, जानिए मंदिर से जुड़े रोचक तथ्य

भारत देश में कई चमत्कारिक मंदिर हैं। वहीं तिरुपति बालाजी मंदिर भी चमत्कारिक मंदिर माना जाता है। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम देश के फेमस और अमीर मंदिरों में एक है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है। दुनियाभर से श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस मंदिर के प्रमुख देवता वेंकटेश्वर स्वामी हैं। जिन्हें भगवान श्रीहरि विष्णु का अवतार माना जाता है। इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं प्रचलित हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ ऐसी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके बारे में अब तक लोगों को जानकारी ही नहीं हैं। तो आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में...

अंजान गांव की कहानी

आपको बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर में देवताओं के अनुष्ठान के लिए 22 किलोमीटर दूर एक गांव से दीपक, घी, दूध, फूल घर और पत्ते आदि मंगाए जाते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक इस छोटे से गांव को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं देखा है।

बालाजी के बाल हैं असली

आमतौर पर आपने देखा होगा कि मंदिरों में भगवान की मूर्ति में नकली बाल लगे होते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि वेंकटेश्वर स्वामी के बाल असली हैं। भगवान के बाद चिकने, रेशमी, उलझन रहित और बिलकुल असली हैं।

मंदिर में आती है आवाज

भले ही यह बात सुनकर आपको यकीन करना मुश्किल हो, लेकिन भगवान बालाजी की मूर्ति के पीछे एक बेहद सुंदर आवाज सुनाई देती है। बताया जाता है कि अगर आप मूर्ति के पीछे कान लगाते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि समुद्र की लहरें उठ रही हों।

स्वयं प्रकट हुए थे भगवान

वैसे तो कई ऐसी चीजें हैं, जिनसे भगवान की मौजूदगी दर्ज होती है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 19वीं सधी में एक क्षेत्र के राजा ने किसी अपराध के लिए 12 लोगों को मौत की सजा दी थी। उन 12 लोगों को फांसी दे दी गई और उनके मृत शरीर को मंदिर की दीवारों पर लटका दिया गया। कहा जाता है कि तब वहां पर भगवान स्वयं प्रकट हुए थे।

यहां देख सकते हैं चढ़ाए हुए फूल

तिरुपति बाला जी के मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी पर चढ़ाए गए फूल मूर्ति के पीछे बह रहे झरने में बहा दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप इन फूलों को देखना चाहते हैं, तो आपको येरपेडु जाना होगा। बता दें कि यह स्थान मंदिर से 20 किमी दूर है।

करोड़ों में आता है दान

आपको बता दें कि तिरुपति मंदिर में दान करने वाले लोगों की कमी नहीं है। हर साल लाखों-करोड़ों रुपए मंदिर में दान आता है। जिसमें से करोड़ों रुपए विदेशी मुद्रा होती है। इस पैसे को आरबीआई बदलने के लिए टीटीडी बोर्ड की मदद करता है।

मंदिर के दीपक का रहस्य

तिरुपति बालाजी के मंदिर के गर्भगृह में मूर्ति के सामने मिट्टी के दीपक जलते हैं। बताया जाता है कि यह दीपक कभी नहीं बुझते हैं। लेकन इन दीपकों को कब और कौन जलाता है। इस बात की जानकारी किसी को नहीं है और न ही इसका कोई रिकॉर्ड है। यह आज तक रहस्य बना हुआ है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा जम्मू-कश्मीरः उपराज्यपाल

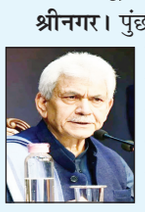

श्रीनगर। पुंछ में आतंकवादियों द्वारा सेना के दो ट्रकों पर घात लगाकर किए गए हमले में चार सैनिकों के मारे जाने के कुछ दिनों बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि सिर्फ 20-25 आतंकवादी केंद्र शासित प्रदेश में लोगों को नहीं डरा सकते। जम्मू में %वीर बाल दिवस% पर एक कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवादी जम्मू-कश्मीर के लोगों को डरा नहीं सकते। ऐसे लोगों के खिलाफ समाज को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास लाने का संकल्प लेता है। आतंकवाद और उसका समर्थन करने वाले पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने की जरूरत है। सिन्हा ने यह भी कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में यूटी आगे बढ़ रहा है। एलजी का यह बयान 21 दिसंबर को पुंछ में सेना की दो गाड़ियों पर हुए आतंकी हमले के बाद आया है, जिसमें चार जवान शहीद हो गए थे।

राहुल के बाद प्रियंका भी करेंगी दक्षिण का रुख

नईदिल्ली। कांग्रेस प्रियंका गांधी को पार्टी के लिए ट्रंप कार्ड मानती है। पार्टी नेताओं को यह भी लगता है कि प्रियंका गांधी की लोकप्रियता देश में खूब बढ़ रही है। बड़ा सवाल यही है कि अगर प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव लड़ती हैं तो सीट कौन सा रहेगा? कांग्रेस नेता फिलहाल अलग-अलग सीटों को लेकर विचार कर रहे हैं। वहीं कई राज्य कांग्रेस के नेताओं की ओर से भी उन्हें अपने राज्य में आकर चुनाव लड़ने के बात कहीं जा रही है। कांग्रेस प्रियंका गांधी को तुरुप के पत्ते की तरह इस्तेमाल करना चाहती है ताकि आम चुनाव में पार्टी नरेंद्र मोदी को एक बड़ी चुनौती दे सके। कर्नाटक और तेलंगाना में पार्टी की सफलता को देखते हुए कांग्रेस कहीं ना कहीं प्रियंका गांधी को लेकर दक्षिण के बारे में ज्यादा विस्तार से सोच रही है। अगर प्रियंका गांधी दक्षिण भारत का रुख करती हैं तो कहीं ना कहीं उनकी जीत की गारंटी बनी रहेगी। ऐसा कांग्रेस नेताओं को लगता है। तेलंगाना और कर्नाटक में पार्टी की स्थिति मजबूत है।

सीपीआईएम ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह से बनाई दूरी

नईदिल्ली। वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लेगी। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करती है, और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए सुझाव दिया कि धर्म का राजनीतिकरण करना सही नहीं है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि हमारी पार्टी अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होगी। हम धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हैं लेकिन वे एक धार्मिक कार्यक्रम को राजनीति से जोड़ रहे हैं। यह एक धार्मिक कार्यक्रम का राजनीतिकरण है। ये बात ठीक नहीं है। इस बीच, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी राम मंदिर उद्घाटन से जुड़े पूरे मुद्दे को दिखावा बताते हुए भाजपा की आलोचना की और कहा कि भगवा पार्टी भगवान राम के लक्षण जो सिखाती है, उसका बिल्कुल विपरीत करती है।

भाजपा के साथ नहीं होगा कोई गठबंधन : एआईएडीएमके

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने मंगलवार को 23 प्रस्ताव पारित किए, जिनमें कानून और व्यवस्था के मुद्दों और चक्रवात राहत निधि के वितरण में कथित भ्रष्टाचार के लिए द्रमुक सरकार की निंदा भी शामिल है। अन्नाद्रमुक जनरल काउंसिल और कार्यकारी समिति की बैठक चेन्नई के वनग्राम में श्रीवारु वेंकटचलपति पैलेस में हुई। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय द्वारा एडप्पादी पलानिसामी को अन्नाद्रमुक के महासचिव के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद यह पहली बैठक है। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने चेन्नई में पार्टी की सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु देश में नंबर एक पर है क्योंकि एआईएडीएमके ने एमजीआर और जयललिता के मार्गदर्शन में 30 वर्षों तक राज्य पर शासन किया है।

हटाने से पहले ही अलविदा कहेंगे ललन सिंह!

पटना। जनता दल-यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह 29 और 30 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाली पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक से पहले इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिंह ने खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उन्हें पार्टी के पद से मुक्त करने का अनुरोध किया था, लेकिन सीएम ने कथित तौर पर उन्हें अगले कुछ महीनों में होने वाले लोकसभा चुनाव तक पद पर बने रहने के लिए कहा था। सूत्रों ने तो यह भी दावा किया कि ललन सिंह ने अपना इस्तीफा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भेज दिया है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार खुद ही अध्यक्ष पद अपने पास रखेंगे। हालांकि, जदयू की ओर से ऐसी खबरों का अब खंडन कर दिया गया है। राजनीतिक गलियारों में इस अप्रत्याशित कदम के पीछे के संभावित कारणों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस घटनाक्रम पर 29 दिसंबर को दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर चर्चा की जाएगी।

वीर बाल दिवस कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है भारत

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया. उनके साथ केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री एक मार्च-पास्ट को भी हरी झंडी दिखाएंगे। कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि यह सारा कार्यक्रम अब वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने इस कार्यक्रम का जश्न मनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, जब साहस दिखाने की बात आती है तो उम्र मायने नहीं रखती।

मोदी ने कहा कि आज देश वीर साहिबजादों के अमर बलिदान को याद कर रहा है, उनसे प्रेरणा ले रहा है। आजादी के अमृतकाल में वीर बाल दिवस के रूप में एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष देश ने पहली बार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाया था। तब पूरे देश में सभी ने भाव विभोर होकर साहिबजादों की वीर गाथाओं को सुना था। वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मनाया जाने लगा है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई और ग्रीस में भी वीर बाल दिवस से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। भारत के वीर साहिबजादों को पूरी दुनिया और ज्यादा जानेगी, उनके महान करतूतों से सीखेगी। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चारों साहिबजादों का साहस और आदर्श आज भी भारत के लोगों के दिलों में प्रेरणा और ऊर्जा का संचार करते हैं। तो, वीर बाल दिवस उन सच्चे नायकों और उन्हें जन्म देने वाली महान माताओं की बेजोड़ बहादुरी के लिए राष्ट्र की श्रद्धांजलि है!

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज भारत, दुनिया के उन देशों में से है, जो देश सबसे ज्यादा युवा देश है। इतना युवा तो भारत अपनी आजादी की लड़ाई के समय भी नहीं था। जब उस युवाशक्ति ने देश को आजादी दिलाई, तो आज की युवाशक्ति भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है। यह कल्पना से परे है। हमें इस मिट्टी की आन-

बान-शान के लिए जीना है, हमें देश को बेहतर बनाने के लिए जीना है। हमें इस महान राष्ट्र की संतान के रूप में, देश को विकसित बनाने के लिए जीना है, जुटना है, जूझना है और विजयी होकर निकलना है।

नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि जब तक हमने अपनी विरासत का सम्मान नहीं किया, दुनिया ने भी हमारी विरासत को भाव नहीं दिया। आज जब हम अपनी विरासत पर गर्व कर रहे हैं, तो दुनिया का भी नजरिया बदला है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज का भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। आज के भारत को अपने लोगों पर, अपने सामर्थ्य पर, अपनी प्रेरणाओं पर पूरा पूरा भरोसा है। आज के भारत के लिए साहिबजादों का बलिदान राष्ट्रीय प्रेरणा का विषय है। आज के भारत में भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान, गोविंद गुरु का बलिदान पूरे राष्ट्र को प्रेरणा देता है।

सिख गुरु गोबिंद सिंह की वीरता भविष्य को प्रेरित करेगी : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को वीर बाल दिवस के मौके पर सिख गुरु गोबिंद सिंह, उनके पुत्रों और पत्नी माता गुजरी को नमन किया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, वीर बाल दिवस के मौके पर मैं गुरु गोबिंद जी के चार साहिबजादों और माता गुजरी जी को नमन करता हूं। पूरे साहस के साथ वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ खड़े हुए और धर्म परिवर्तन को इनकार करते हुए शहादत को चुना। उनकी ये अतुलनीय वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि उनके शहादत दिवस को वीर बाल दिवस घोषित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके बलिदान की कहानी को पूरी दुनिया में फैलाया। नौ जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंह की जयंती के मौके पर पीएम मोदी ने हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री मोदी आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से करेंगे बातचीत

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद करेंगे और फिर उन्हें संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि इस आयोजन में देश भर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के हजारों लाभार्थी शामिल होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस साल 15 नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत के बाद से प्रधानमंत्री ने पूरे देश के इसके लाभार्थियों के साथ नियमित रूप से संवाद किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वह 30 नवंबर, 9 दिसंबर और 16 दिसंबर से लाभार्थियों से संवाद कर चुके हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने हाल ही में वाराणसी यात्रा के दौरान लगातार दो दिनों (17-18 दिसंबर) तक इस कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ संवाद किया था। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' देश भर में निकाली जा रही है, जिसका उद्देश?य सरकार की प्रमुख योजनाओं में परिपूर्णता हासिल करना है और इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

इंडिया पीएम कैंडिडेट घोषित न भी करे तो चिंता नहीं : पवार

मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम पर इंडिया गठबंधन में रार!

मुंबई। वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार ने विपक्षी दलों के गठबंधन- इंडिया ब्लॉक के पीएम उम्मीदवार पर बरकरार सस्पेंस के मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, अगर कोई चेहरा पेश न भी किया जाए तो फर्क नहीं पड़ेगा। पवार ने कहा कि अगर कोई चेहरा सामने नहीं रखा जाए है तो कोई परिणाम नहीं निकलता, ऐसी धारणा सही नहीं है। उन्होंने 1977 के आम चुनाव के बाद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने का भी जिक्र किया।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री रह चुके शरद पवार ने कहा, अगर 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक में शामिल दलों की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार घोषित न किया जाए तो इसका कोई खामियाजा नहीं भुगतना होगा। 1977 के चुनाव को याद करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष ने कहा, 1977 के चुनावों में, पीएम के लिए कोई चेहरा पेश नहीं किया गया था। बाद में, मोराराजी देसाई प्रधानमंत्री चुने गए थे। चुनाव से पहले और देसाई के नाम पर कोई चर्चा नहीं हो रही थी।

उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल को चुनौती देने के लिए एक नई पार्टी अस्तित्व में आई है। ऐसे में कोई चेहरा सामने नहीं भी रखा जाए तो कोई नुकसान नहीं होगा। पवार ने कहा कि अगर जनता बदलाव के मूड में हैं, तो मतदाता बदलाव लाने के पक्ष में ही अपना फैसला सुनाएंगे। दरअसल, जैसे-जैसे 2024 का लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, भारत के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण फेरबदल हो रहा है। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में शामिल दलों का मानना है कि उनका गठबंधन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कड़ी चुनौती देगा। हाल ही में हुई इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक में पीएम पद के चेहरे के रूप में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्री अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम सामने आया था। गठबंधन में शामिल

दो मुख्यमंत्रियों -ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया था।

गठबंधन पर नजरें बनाकर रखने वाले समीक्षकों और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने खरगे के नाम का विरोध किया था। खरगे के बेटे प्रियांक ने मीडिया से कहा, अच्छा होगा अगर उनके पिता इंडिया ब्लॉक की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनें। हालांकि, सपने देखने से पहले व्यावहारिक चुनौतियों का सामना करने की जरूरत है। खरगे ने कहा, हमें पहले कांग्रेस की 200-250 सीटें जीतनी होंगी। इसके साथ ही हमें इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ मिलकर अनुकूल माहौल बनाना होगा। हमे सुनिश्चित करना होगा कि दूसरे दलों की तुलना में कांग्रेस के उम्मीदवार अधिक से अधिक संख्या में जीतें। बाकी सवालों पर सीट जीतने के बाद विचार होगा।

अटकलों के बीच यह जानना भी दिलचस्प है कि मल्लिकार्जुन खरगे की प्रतिक्रिया तटस्थ रही है। उन्होंने कहा, मैं वंचितों के लिए काम करता हूं। पहले जीत दर्ज करनी है, उसके बाद इन मुद्दों पर विचार किया जाएगा। उन्हें पद की लालसा नहीं है। पहले जीतना है। प्रधानमंत्री कौन होगा, यह बाद में तय किया जाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 34 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

नईदिल्ली। ओलंपिक क्वालीफायर और हॉकी फाइव्स विश्व कप की तैयारी के लक्ष्य के साथ भारत की 34 खिलाड़ी गुरुवार से यहां सीनियर महिला हॉकी कोचिंग शिविर में हिस्सा लेंगी। स्पेन में पांच देशों के टूर्नामेंट में मेजबान के अलावा बेल्जियम, जर्मनी और आयरलैंड से भिड़ने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को ब्रेक मिला था और अब वे शिविर में हिस्सा लेंगी। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में 13 से 19 जनवरी तक होने हैं जिसमें भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है। पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य को जगह मिली है। भारत ने रांची में महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था और अब वे इसी मैदान पर लय जारी रखने के इरादे से उतरेंगे। भारत की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने कहा, पांच देशों का टूर्नामेंट ओलंपिक क्वालीफायर से पहले तैयारियों को परखने का अच्छा मौका था। हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां सुधार की गुंजाइश है और शिविर के दौरान इन पर काम करेंगे। इसके बाद भारतीय टीम ओमान के मस्कट के लिए रवाना होगी जहां वे 24 से 27 जनवरी तक हॉकी फाइव्स विश्व कप में हिस्सा लेंगे।

संभावित खिलाड़ी- गोलकीपर- सविता, रजनी एटिमार्पु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी। डिफेंडर- दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी। मिडफील्डर- निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर। फॉरवर्ड- लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 230 अंक चढ़ा निफ्टी 21,400 के पार

नई दिल्ली। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 230 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 92 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स ने 0.72 फीसदी की बढ़त के साथ अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, बीएसई स्मॉलकैप ने 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ लगभग समान प्रदर्शन किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 229.84 अंक यानी 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 71,336.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,012.08 और 71,471.29 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 91.95 अंक यानी 0.43 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,441.35 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,329.45 और 21,477.15 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारत कच्चा तेल खरीदने यूएई को रुपये में किया भुगतान

नई दिल्ली। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से खरीदे गए कच्चे तेल के लिए पहली बार रुपये में भुगतान किया है। वैश्विक स्तर पर स्थानीय मुद्रा को बढ़ावा देने के लिए यह भारत की ओर से उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। यह कदम तेल आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने, लेनदेन लागत में कटौती करने और रुपये को एक व्यवहार्य व्यापार निपटान मुद्रा के रूप में स्थापित करने के भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। यह पहल 11 जुलाई, 2022 को भारतीय रिजर्व बैंक उस फैसले के तहत उठाया गया है, जिसमें आयातकों को रुपये में भुगतान करने और निर्यातकों को स्थानीय मुद्रा में भुगतान प्राप्त करने की अनुमति दी गई है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीयकरण एक सतत प्रक्रिया है, और वर्तमान में इसका कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में 600 से अधिक फ्लैट बेचे

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हरियाणा के गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवासीय परियोजना के 600 से अधिक फ्लैट बेच दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने '' गुरुग्राम के सेक्टर-49 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित अपनी परियोजना गोदरेज एरिस्टोक्रेट में 2,600 करोड़ रुपये से अधिक के फ्लैट बेचे दिए हैं।'' कंपनी 9.5 एकड़ में फैली इस आवासीय परियोजना में करीब 750 अपार्टमेंट बनाएगी। प्रति इकाई इनकी शुरुआती कीमत करीब चार करोड़ रुपये है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, '' गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। हमें 2024 में गुरुग्राम में चार नई परियोजनाएं शुरू करने की उम्मीद है'' गोदरेज समूह की रियल एस्टेट इकाई गोदरेज प्रॉपर्टीज क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक है।

मोतीसंस ज्वेलर्स के आईपीओ लिस्ट होते ही निवेशक मालामाल

नई दिल्ली। मोतीसंस ज्वेलर्स के शेयर अपने निर्गम मूल्य 55 रुपये से 98 प्रतिशत से अधिक चढ़कर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 88.90 प्रतिशत चढ़कर 103.90 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 98.34 प्रतिशत बढ़कर 109.09 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर 98.18 प्रतिशत के उछाल के साथ 109 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 994.30 करोड़ रुपये रहा। मोतीसंस ज्वेलर्स के 151 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के तीसरे और अंतिम दिन गत बुधवार को 159.61 गुना अभिदान मिला था। निर्गम के लिए 52-55 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। निर्गम के तहत 2,74,71,000 करोड़ इक्विटी शेयर को जारी किए गए थे। इसमें कोई भी बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं थी।

चीन बनेगा अगले ग्लोबल क्राइसिस की वजह, लगातार जीडीपी ग्रोथ में हो रही गिरावट

अखिलेश प्रताप सिंह

वर्ल्ड बैंक के आंकड़े बताते हैं कि 30 साल पहले चीन की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी बेहद गरीब हुआ करती थी। अब ऐसा नहीं है। इन तीन दशकों में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को तेजी से बदला है। इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। चीन मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल अड्डा बन गया। मिडल क्लास का दायरा भी बढ़ा। 2000 के दशक की शुरुआत में चीन में करीब 3 फीसदी आबादी मिडल क्लास थी, जो अब 50 फीसदी से ज्यादा हो गई है।

अब चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ रही है, जो पूरी दुनिया को तकलीफ दे सकती है। इसकी वजहें अंदरूनी हैं। एक तो 2012 में राष्ट्रपति बनने वाले शी चिनफिंग ने चीन में सख्ती बढ़ा दी है। समावेशी विकास के नारे के तहत प्राइवेट सेक्टर पर चाबुक चलाया गया। इसके दायरे में टेक कंपनियां और बड़े कर्ज से दबे प्रॉपर्टी डिवेलपर आ गए। कोविड के दौरान सख्त लॉकडाउन ने रही-सही कसर पूरी कर दी।

बढ़ती बेरोजगारी को छिपाने के लिए चीन सरकार ने इस साल इसका आंकड़ा जारी करना भी बंद कर दिया। चिनफिंग सरकार ने राजकोषीय उपायों पर फोकस बढ़ाया है, लेकिन लगता नहीं कि इससे कुछ खास फर्क पड़ रहा है। खुद चिनफिंग ने कुछ समय पहले कहा कि चीन की इकॉनमिक रिकवरी अभी 'नाजुक दौर' में है। वहीं, कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा कि अगले साल और ज्यादा फिस्कल और मॉनेटरी उपाय करने होंगे ताकि ग्रोथ को सहारा दिया जा सके।

चीन दुनिया में सबसे बड़ी मैन्युफैक्चरिंग इकॉनमी है। मैन्युफैक्चरिंग के दम पर ही चीन ने अपनी बड़ी आबादी को गरीबी के दलदल से बाहर निकाला था। लेकिन अब

मैन्युफैक्चरिंग में सुस्ती आ रही है। साल 2020 में चीन के जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का हिस्सा घटकर 26 प्रतिशत पर आ गया था। एक दशक पहले यह 31 प्रतिशत हुआ करता था। रेटिंग एजेंसी मूडीज का अनुमान है कि साल 2024 और 2025 में चीन की जीडीपी ग्रोथ 4 प्रतिशत रह सकती है। वहीं, 2026 से 2030 के बीच औसत ग्रोथ 3.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। साल 2030 तक ग्रोथ घटकर साढ़े 3 प्रतिशत पर आ सकती है। यह 2023 के लिए चीन सरकार के 5 प्रतिशत ग्रोथ के अनुमान से काफी कम होगी। अमेरिका के बाद चीन दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी यह सुस्ती ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी बुरी खबर है, पिछले 10 वर्षों में ग्लोबल जीडीपी में 25 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। इसमें चीन का योगदान 40 प्रतिशत यानी 10 ट्रिलियन डॉलर का था। चीन सबसे बड़ा एक्सपोर्टर होने के साथ मेटल्स सहित कई कमोडिटी का सबसे बड़ा कंस्यूमर भी है। दुनिया में मेटल्स की जितनी खपत होती है, उसका लगभग आधा हिस्सा चीन कंस्यूम करता है। लिहाजा चीन में आर्थिक परेशानी दुनिया में डिमांड सप्लाई का संतुलन हिला सकती है।

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में फाइनैंस के प्रफेसर अश्वत्थ दामोदरन का कहना है, 'चीन दुनिया के लिए सबसे बड़ा मैक्रो-इकॉनमिक रिस्क बन गया है। यह रिस्क एक पॉलिटिकल रिस्क भी बन सकता है। दुनियाभर में कंपनियों के निवेश के लिए यह एक बड़ा नुकसान बन सकता है।' चीन में कई बड़े डिवेलपरों के प्रॉजेक्ट अधूरे पड़े हैं। कर्ज का बोझ इतना ज्यादा है कि उसकी रीफाइनैंसिंग असंभव सी हो गई है। चीन के दो सबसे बड़े डिवेलपरों एवरग्रैंड और कंट्री गार्डेन पर ही करीब 500 अरब डॉलर का कर्ज है। चीन की ग्रोथ से जुड़े फैक्टर्स के लिहाज से यह एक बड़ा बदलाव है। हो सकता है कि देश की इकॉनमिक ग्रोथ पर इसका कहीं ज्यादा बड़ा असर आने वाले समय में दिखे।

चीन के लिए एक बड़ी मुश्किल यह भी हो गई है कि वहां अपने कारखाने लगाने वाली एपल और दूसरी बड़ी ग्लोबल कंपनियां अब दूसरे ठिकाने तलाश रही हैं। पहले वे सस्ती लागत और चीन के बड़े बाजार के लालच में चीन पहुंचीं, लेकिन अब सरकार की सख्ती और अचानक बदलने वाली नीतियों के चलते चीन के अलावा दूसरी जगहों पर भी मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाने लगी हैं।

गरीब परिवारों को आगामी पांच वर्ष तक मिलता रहेगा निःशुल्क चावल

रायपुर। गरीब परिवारों को अगले पांच सालों तक दी गई निःशुल्क चावल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी गरीब परिवारों को अगले पांच साल तक निःशुल्क चावल देने का निर्णय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिया है। इसके चलते उचित मूल्य दुकानों से गरीब परिवारों को नए साल से जनवरी 2024 से दिसम्बर 2028 तक चावल निःशुल्क मिलेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के पश्चात खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा इस संबंध में सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए गए है। इस फैसले से प्रदेश के अन्त्योदय, प्राथमिकता, निःशक्तजन और एकल निराश्रित श्रेणी के 67 लाख 92 हजार 153 पात्र राशनकार्डधारियों को पात्रतानुसार शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से निःशुल्क चावल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत अन्त्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के राशनकार्डों पर आगामी 05 वर्ष जनवरी 2024 से दिसंबर 2028 तक मासिक पात्रता का चावल निःशुल्क वितरण किए जाने के तर्ज पर ही छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के तहत अन्त्योदय, प्राथमिकता, निःशक्तजन और एकल निराश्रित श्रेणी के राशनकार्डधारियों को आगामी पांच वर्ष निःशुल्क चावल वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्त्योदय श्रेणी के 14 लाख 92 हजार 438, प्राथमिकता श्रेणी के 52 लाख 46 हजार 656, एकल निराश्रित श्रेणी के 37 हजार 708 और निःशक्तजन श्रेणी के 15 हजार 351 राशनकार्डधारियों जनवरी 2024 से आगामी पांच वर्ष तक निःशुल्क चावल वितरण से लाभांवित होंगे।

अपनी जान पर खेलकर दूसरों की जान बचाने वाले वीर बच्चों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतकाल के दौरान गुरू गोबिंद सिंह के साहिबजादों की शहादत की स्मृति नई पीढ़ी में गौरव का भाव भरेगी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के राज्य अतिथि गृह पहुना में वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रदेश के 04 वीर बालक-बालिकाओं को उनके साहसिक व वीरतापूर्ण कार्य के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कोरबा के अमर ज्योति जाहिरे, महासमुंद की छाया विश्वकर्मा, धमतरी की जानवी राजपूत और धमतरी के भामेश्वरी निर्मलकर को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई की और राज्य शासन की ओर से चारों वीर बालक-बालिका को 50-50 हजार रूपए दिए जाने की घोषणा की। गौरतलब है कि 09 जनवरी 2022 को, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों-साहिबजादों की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने वीर बाल दिवस के अवसर पर बलिदानी 04 वीर साहिबजादों को नमन करते हुए कहा कि उनकी शहादत हमें प्रेरित करती है। वीर साहिबजादों ने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देना स्वीकार किया। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृतकाल के दौरान इन साहिबजादों के बलिदान को चिर स्थायी बनाने के लिए वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की, हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है। उन्होंने सम्मानित चारों वीर बालक-बालिकाओं के साहसिक कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि जान की परवाह किए बिना इन बच्चों ने अपने परिजनों व साथियों का जीवन बचाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी द्वारा किए जा रहे सामाजिक व बौद्धिक कार्यों की सराहना की। छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के संरक्षक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के सदस्य के रूप में हमारा सौभाग्य है कि हम लगातार दूसरे वर्ष वीर बालकों का सम्मान कर पा रहे है। बच्चों ने अपनी बुद्धिमता, सक्रियता और साहस का परिचय देते हुए अपनों की जान बचाई है। निश्चित ही अन्य बच्चों को भी इनके अदम्य साहस से प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने वीर बाल दिवस मनाने के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के प्रयासों का भी जिक्र किया। कार्यक्रम में सिक्ख ग्रंथी श्री अमरीक सिंह ने उन साहिबजादों का जीवन परिचय दिया जिनकी स्मृति में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे गुरूओं ने हमें शहादत सिखायी है और आज भी धर्म की रक्षा के लिए संकल्पित हैं। ग्रंथी श्री सिंह ने वीर बालक-बालिकाओं को बधाई दी और अपने गुरूओं के बलिदानों को अमर बनाने वीर बाल दिवस मनाए जाने के लिए केन्द्र सरकार के पहल की सराहना की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के डॉ. सी पी आडवाणी, डॉ. सुरभि दुबे, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप दवे, सोसायटी के पदाधिकारीगण सहित वीर बालकों के परिजन और आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हुए वीर बच्चे

छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के द्वारा वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों चार वीर बालक-बालिकाएं सम्मानित हुए। सम्मानित वीर बच्चों में कोरबा जिले के रहने वाले 15 वर्षीय अमर ज्योति जाहिरे ने पिकनिक के दौरान जान की परवाह किए बिना अपने दोस्त को डूबने से बचाया था। अमर के इस साहसपूर्ण कार्य के लिए उन्हें साहिबजादा अजीत सिंह वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह महासमुंद जिले की रहने वाली 15 वर्षीय छाया विश्वकर्मा ने अपनी सूझ-बुझ से पागल कुत्ते से अपनी बहन की जान बचाई थी। उन्हें साहिबजादा जुझार सिंह वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। धमतरी जिले के कुरूद की रहने वाली 13 वर्षीय जानवी राजपूत ने हिम्मत दिखाते हुए करेंट की चपेट में आए अपने 05 वर्षीय भाई की जान बचाई। उन्हें साहिबजादा जोरावर सिंह वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह धमतरी जिले की 12 वर्षीय भामेश्वरी निर्मलकर ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तालाब में डूबने से दो बालिकाओं को बचाया। उन्हें साहिबजादा फतेह सिंह वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भिलाई के ठेका श्रमिक ने दो बेटियों और पत्नी सहित खाया जहर, पिता और एक बेटी की मौत

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने जहर खा लिया है। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। जहर खाने से पिता व एक बेटी की मौत हो गई और मां व एक बेटी गंभीर हालत में भिलाई के स्पर्श अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मी पारा जामुल निवासी हेमलाल वर्मा (39), उसकी पत्नी जानवी वर्मा (38), इनकी बेटी प्रिया वर्मा (14) व छोटी पुत्री मुस्कान वर्मा (11)

ने जहर खा लिया। बताया जाता है कि हेमलाल वर्मा ने अपनी पत्नी व बेटियों को आयुर्वेदिक दवाई बताकर जहर दे खिला दिया। इसके बाद खुद भी जहर खा लिया। इसके बाद हालत बिगड़ने पर सभी को मंगलवार सुबह स्पर्श अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान हेमलाल वर्मा एवं छोटी बेटी मुस्कान वर्मा की मौत हो गई जबकि जानवी वर्मा एवं प्रिया वर्मा का इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि ठेका श्रमिक हेमलाल वर्मा के द्वारा यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतक के पिता से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक हेमलाल वर्मा भिलाई निगम में कार्यरत है और उसकी ड्यूटी अवंतिबाई चौक के पास लगी थी।

दुबारा कब्जाधारियों को निगम ने खदेड़ा

रायपुर। नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा अवैध रूप से संचालित दुकानों एवं सड़क पर यातायात बाधित करने वाले ठेलों को हटाते हुये भूमि, सड़क को कब्जा मुक्त करने हेतु कार्यवाही प्रतिदिन किये जाने के निर्देश दिये गये है। साथ ही समस्त जोन कमिश्नर को उक्त कब्जा मुक्त क्षेत्र में दोबारा कब्जा ना हो यह सुनिश्चित किये जाने के निर्देश भी दिये गये है। उक्त निर्देश के परिपालन में व्यस्ततम बाजार एवं मार्गो पर नगर पालिक निगम, रायपुर अंतर्गत जहां बाजार एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियां के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है ऐसे स्थानों पर को चिन्हित करते हुये निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विगत दिवस विभिन्न जोनों के माध्यम से कार्यवाही की गई है।

भाजपा सरकार अडानी के हितों के लिये हसदेव अरण्य में पेड़ कटवा रही

पूर्व सरकार ने हसदेव में पर्यावरण स्वीकृति रद्द कर वन कटाई पर रोक लगाया

रायपुर। राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि जब विधानसभा के चुनाव हो रहे थे तब सांसद राहुल गांधी ने कहा था ईवीएम पर बटन कमल का दबेगा तो वीवीपैट से अडानी निकलेगा। राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही यह कथन सत्य साबित होने लगा है। भाजपा सरकार अडानी के हितों को सर्वोर्धित करने के लिये राज्य के जल, जंगल, जमीन खनिज संपदा को अडानी को सौपना शुरू कर दिया गया है। जैसे ही भाजपा की सरकार बनी हसदेव अरण्य क्षेत्र में वनों की अंधाधुंध कटाई शुरू की जा चुकी है। 50

हजार से अधिक पेड़ काटे जा चुके है। कटाई के लिये आदेश और पर्यावरण स्वीकृत केंद्र की मोदी सरकार ने दिया था तथा कांग्रेस सरकार ने इस स्वीकृति को राज्य के स्तर पर निरस्त कर दिया था तथा केंद्र में भी इसे निरस्त करने के लिये पत्र लिखा था। 31 अक्टूबर को इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर सचिव ने भारत सरकार के वन महानिरीक्षक को पत्र लिखकर परसा ओपन कास्ट कोल माईस कोल उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने तथा वन कटाई के प्रस्ताव को निरस्त करने को कहा था। विधानसभा से भी कांग्रेस सरकार ने इस आशय का प्रस्ताव पारित करवा कर केंद्र को भेजा था कि हसदेव अरण्य क्षेत्र की सभी कोल खदानों को निरस्त किया जाये। लेमरू एलिफेंट कारीडोर में मोदी सरकार के द्वारा आवंटित कोयला खदानों के खिलाफ भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में 27 जुलाई 2022 को प्रस्तावित प्रस्ताव पारित कर हसदेव अरण्य, तमोर पिंगला और कोरबा के हाथी रिजर्व क्षेत्र के वनों में कोल ब्लॉक आवंटन रद्द करने का संकल्प लिया था।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

किसानों, गरीबों का कल्याण कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं- संजय

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने बोनस की राशि को लेकर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बयान को हताश निराश कांग्रेस का व्यर्थ ही खंभा नोंचना करार देते हुए कहा कि भाजपा की विष्णुदेव सरकार मोदी जी की गारंटी पूरी करती जा रही है तो कांग्रेस की पहले से ही भ्रष्ट मति पूरी तरह कुंद हो गई है। भाजपा ने 18 लाख आवासहीन परिवारों के लिए आवास मंजूर कर बजट का इंतजाम किया। अटलजी की जयंती पर किसानों को दो साल का बकाया बोनस दे दिया गया तो इसमें भी कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। मोदी जी की गारंटी के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रहे हैं तो इसमें भी कांग्रेस को कष्ट यह है कि लोकसभा चुनाव में वह शून्य में गोते लगाने वाली है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों को उनका हक दिया है। कांग्रेस ने किसानों को धोखा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के साथ फर्जीवाड़ा करना कांग्रेस की संस्कृति है। फर्जीवाड़े के अलावा कांग्रेस ने 5 साल में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस जनता का अपमान करती है। अब जनता की सरकार को ईवीएम की सरकार बताते कांग्रेस को लज्जा आनी चाहिए। सत्ता में रहते हुए जनता को लूटा, जनता का अपमान किया। जनता का उत्पीड़न किया।

मुख्यमंत्री साय 27 और 28 दिसम्बर को रायगढ़ और जशपुर प्रवास पर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 27 दिसम्बर को रायगढ़ और 28 दिसम्बर को जशपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे और वहां आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 27 दिसम्बर को जिला मुख्यालय रायगढ़ में आयोजित रोड-शो कार्यक्रम एवं अग्रोहा धाम के लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे। जशपुर जिले में 28 दिसम्बर को सौरभ सागर महाराज द्वारा का लोकार्पण कार्यक्रम और जशपुरिया माटी अटल सुशासन समारोह में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री साय 27 दिसम्बर बुधवार को रायपुर विवेकानंद एयरपोर्ट से विशेष विमान से दोपहर 02 बजे रवाना होकर 02.40 बजे जिंदल एयरस्ट्रीप रायगढ़ पहुंचेंगे और अपरान्ह 03 बजे वहां से रायगढ़ के कबीर चौक जाएंगे। मुख्यमंत्री कबीर चौक से शुरू होने वाले रोड-शो कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री शाम 05.45 बजे से लेकर 07.45 बजे तक रायगढ़ में अग्रोहा धाम के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात रायगढ़ के होटल ट्रिनिटी ग्रैंड में पत्रकारों एवं वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री 28 दिसम्बर को रात्रि में कोसमनारा बाबा आश्रम भी जाएंगे और रात्रि विश्राम रायगढ़ सर्किट हाउस में करेंगे।

वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव बिलासपुर में वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में गुरू गोविंद सिंह जी के परिवार के बलिदान और उनके सुपुत्रों की शहादत को याद कर उन्हें नमन किया। विधायकगण सर्वश्री अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह और पूर्व सांसद श्री लखन लाल साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री मान सिंह सहित सिख समाज के अनेक पदाधिकारी भी कार्यक्रम मे मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने वीर बाल दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं गुरू गोविंद सिंह जी और उनके साहिबजादों के बलिदान को नमन करता हूं। उन्होंने बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह बहादुर सिंह की शहादत को याद करते हुए कहा कि छह वर्ष और आठ वर्ष की अल्प आयु में इन्हें मुगलों द्वारा यातनाएं दी गईं। उन्हें डराया और धमकाया गया। इसके बावजूद वे अपने धर्म पर अडिग रहे। अपने धर्म की रक्षा के लिए इन दोनों ने शहादत को स्वीकार किया। श्री साव ने कहा कि यह हमें प्रेरणा देता है कि कैसे हम अपने देश की रक्षा और धर्म के प्रति अडिग रहें। उन्होने कहा कि सिख समाज का इतिहास ऐसी ही कुर्बानियों से गौरवान्वित बना हुआ है।

ड्रग्स तस्करों के विरुद्ध रेलवे चला रहा ऑपरेशन नार्कोस

रायपुर। रेलवे ड्रग तस्करों के खिलाफ आपरेशन नार्कोस चला रहा है। इसके अंतर्गत के तहत 1.56 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किया गया है। यह अभियान नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों के बढ़ते खतरे की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शुरू किया । रेल के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ यह अभियान जून-2022 में प्रारंभ किया गया था । रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इस अवैध व्यापार में शामिल ड्रग तस्करों को निशाना बनाने के लिये नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वय से देश भर में ट्रेनों व चिह्नित ब्लैक स्पॉट में अपनी जाँच तेज़ कर दी है। इस ऑपरेशन के तहत रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रेलवे के माध्यम से नारकोटिक्स उत्पादों को ले जाने वाले वाहक/ट्रांसपोर्टरों के विरुद्ध तीव्र कारवाई की गई है। 119 आरोपी गिरफ्तार- इस अवैध व्यापार में शामिल ड्रग पेडलर्स को लक्षित करने के लिए एनसीबी और अन्य एलईए के समन्वय से ट्रेनों और चिन्हित ब्लैक स्पॉट में अपनी जांच भी तेजी लाते हुए अभी तक 1.56 करोड़ रुपये के लगभग 1248 किलोग्राम विभिन्न नशीले पदार्थों के उत्पादों को बरामद किया गया है । रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अभी तक अपने कार्याधिकार क्षेत्र के भीतर एनडीपीएस ले जाने वाले 119 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है.

भरोसे की सरकार की स्थापना अब हुई है-शर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश प्रभारी संदीप शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने सत्ता सम्हालते ही छत्तीसगढ़ के किसानों को सन् 2014-15 एवं सन् 2015-16 के उपार्जित धान के बकाया बोनस का भुगतान करते हुए सुशासन दिवस के दिन 25 दिसम्बर को 3,716 करोड़ रुपए किसानों के खाते में सीधे जमा कर किया है। श्री शर्मा ने कहा कि किसानों को दिए गए बोनस से किसानों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आएगा और अब किसानों का जीवन खुशहालीपूर्ण होगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि इन दो वर्षों में 1 करोड़ 23 लाख 49 हजार 034 मीट्रिक टन धान की कुल खरीदी हुई थी। भाजपा की सरकार ने आरंभ में ही किसानों को 2 वर्षों के धान का बकाया बोनस का भुगतान कर दिया है। खाद की सब्सिडी, सॉइल हेल्थ कार्ड किसान सम्मान निधि जैसी अनेक योजनाओं से केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों को सीधा लाभ पहुंचाया है। मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश की भाजपा सरकार ने 31सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी भी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल देश के लिए ही नहीं, अपितु पूरी दुनिया के लिए आशा का केंद्र बिंदु हैं। गांव-गरीब, मजदूर, किसान एवं महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है।

पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं में हुआ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का प्रसारण

प्रदेश में उत्साह से मनाया गया वीर बाल दिवस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वीर बाल दिवस उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर सभी पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का प्रसारण किया गया। श्री मोदी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चारों साहिबजादों की वीरता और आदर्श, आज भी हर भारतीय को ताकत देते हैं। इसलिए वीर बाल दिवस, उन सच्चे वीरों के अप्रतिम शौर्य और उनको जन्म देने वाली माता के प्रति, राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाई गई ऑडियो-विजुअल की स्क्रीनिंग के साथ ही वीर बाल दिवस पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी दिखाई गई। इस अवसर पर वीर बाल प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

गौरतलब है कि देश में हर साल 26 दिसम्बर को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों के सर्वोच्च बलिदान और साहस की स्मृति में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य युवाओं और किशोरों, देश वासियों, महिलाओं में राष्ट्रनिर्माण के लिए योगदान एवं मूल्यों को स्थापित करना और सुदृढ़ बनाना है। वीर बाल दिवस के अवसर पर किशोरों ने माई भारत पोर्टल पर विकसित भारत निर्माण हेतु शपथ लिया।

प्रदेश में वीर बाल दिवस के पूर्व जिला स्तर, नगर पालिका, वार्ड, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर 22 एवं 23 दिसंबर को स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन गतिविधियों में विशेषकर स्वतंत्रता सेनानियों एवं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (च्डत्ठच) से पुरस्कृत पूर्व विजेताओं के अनुभवों को साझा किया गया। वीर बाल प्रतियोगिता के तहत बहादुरी के विषय पर चित्रकला, पठन (सस्वर पाठ), गायन, कविता और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन गतिविधियों को पोर्टल में अपलोड भी किया गया है।

9 लाख रुपए से अधिक का बोनस मिला, मोदी की गारंटी पर भरोसा पूरा हुआ

रायपुर। सुशासन दिवस के अवसर पर पूरे राज्य के किसानों को वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 का बकाया धान बोनस मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदान किया गया। जिससे किसानों के खाते में राशि जमा होते ही उनके चेहरे में खुशी की लहर छा गई है।

ऐसे ही बलौदाबाजार भाटापारा जिले के अंतर्गत भाटापारा विकासखंड के ग्राम अमेठी के निवासी 66 वर्षीय किसान अनिल कुमार को बकाया बोनस के रूप में 9 लाख 29 हजार 280 रूपये मिला है। बोनस की राशि मिलने से वे काफी खुश हैं। श्री अनिल कुमार ने बताया कि मुझे वर्ष 2014-15 के 4 लाख 64 हजार रूपए और वर्ष 2015-16 के 4 लाख 64 हजार 640 रूपए की बोनस राशि प्राप्त हुई है। उन्होने कहा कि मुझे मोदी की गारंटी पर भरोसा था लेकिन इतनी जल्दी राशि आ जाएगी, यह सोचा नहीं था। अब जो राशि मुझे मिली है उसका उपयोग मैं खेती-बाड़ी कार्य को आगे बढ़ाने एवं घर के आवश्यक खर्चों में करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि किसानी का कार्य अब बेहद ही मुनाफे का कार्य हो गया है। इस सरकार से हमें और भी अधिक उम्मीद है। बकाया बोनस की राशि मिलने पर श्री अनिल कुमार ने इसके लिये मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.